दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 94
मुरादाबाद
24 July 2025
(Thursday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

महिलाओं के नाम रजिस्ट्री कराने पर मिलेगी छूट... यूपी कैबिनेट में 37 प्रस्तावों को दी मंजूरी

सरकारी कर्मचारियों को 25 लाख का लोन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल 37 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में छात्रों को टैबलेट वितरित करने का निर्णय लिया गया।महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्री कराने पर स्टांप में छूट देने का फैसला लिया गया है। एक करोड़ तक की रजिस्ट्री में एक फीसदी स्टांप तक की छूट दी जाएगी। इसकी अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये रखी गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया।

बैठक में कैबिनेट ने 37 प्रस्तावों को मंजूरी दी है।बैठक के बाद यूपी सरकार के मंत्रियों ने फैसलों के बारे में जानकारी दी। बैठक में निर्णय लिया गया कि छात्रों को स्मार्टफोन नहीं बल्कि सिर्फ टैबलेट दिया जाएगा। इसके लिए दो हजार करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है। अभी तक 60 लाख बच्चों को टैबलेट दिया जा चुका है।मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से सभी 121 पॉलीटेक्निक में टाटा टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित होगा। पहले चरण में 45 पॉलीटेक्निक अपग्रेड किए जाएंगे। इस पर 6935 करोड़ का खर्च आएगा। इसके सारे उपकरण टाटा कंपनी उपलब्ध करवाएगी। प्रति पॉलीटेक्निक 57 करोड़ रुपये का खर्च होगा। ये कायाकल्प एक साल में होगा। पशुधन मंत्री ने बताया कि पराग डेयरी को नोएडा में भूखंड को दिया जाएगा। बैठक में यूपी विधानसभा का मानसून सत्र 11 अगस्त तक चलाने का निर्णय लिया गया। बुंदेलखंड और पूर्वांचल के किसानों की आमदनी बढ़ाने केलिए विश्व बैंक साथ साझा कार्यक्रम यूपी सरकार चला रही। इसके तहत जेवर एयरपोर्ट के पास प्रोसेसिंग और निर्यात की व्यवस्था की जाएगी। इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी। जेवर पर कार्गो का बड़ा सिस्टम डेवलप किया जा रहा। उन्नाव में हेचरी सीड उपलब्ध कराने के लिए यूएई की कंपनी 4000 करोड़ का निवेश करेगी। यूएई की कंपनी फूडपार्क भी बनाएगी। पुरानी पेंशन योजना से छूटे कर्मचारियों को एक और अवसर पुरानी पेंशन योजना का लाभ लेने से छूट गए कर्मचारियों को कैबिनेट ने एक और अवसर दिया गया है। नेशनल पेंशन स्कीम से आच्छादित राज्य सरकार के ऐसे सरकारी कर्मचारी, जिनका चयन प्रदेश में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली लागू करने से संबंधित अधिसूचना की तारीख 28 मार्च 2005 से पहले हो चुका था, उन्हें इसका लाभ मिलेगा। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना में शामिल होने के संबंध में निर्धारित कट ऑफ तारीख को 30 नवंबर तक बढ़ा दिया गया है। इस राहत से करीब 2000 कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना में शामिल होने का मौका मिलेगा। राष्ट्रीय पेंशन योजना वर्ष 2004 में बनी थी। भारत सरकार की इस नीति को हूबहू लागू कर दिया गया था। इसके तहत 31 मार्च 2004 से पहले की तारीख तय की गई थी। राज्य सरकार ने इसमें एक साल की छूट दे रखी थी। चूंकि इसका नोटिफिकेशन 28 मार्च 2005 को आया था इसलिए इसे एक अप्रैल 2005 से लागू किया गया। इसमें कुछ कर्मचारी छूट गए थे। उन्हें सरकार ने एक मौका दिया है। कैबिनेट मंजूरी के बाद 28 मार्च 2005 से पहले वाले सभी कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना में शामिल होने के लिए आच्छादित हो जाएंगे। हजरतगंज में अग्निशमन स्टेशन को दी जाएगी नजूल भूमि राजधानी के हजरतगंज 3404 वर्ग मीटर नजूल भूमि का स्वामित्व अब अग्निशमन स्टेशन को दे दिया गया है। इस भूमि का नामांतरण औव हस्तानांतरण गृह विभाग को करने को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। इसके अलावा सरकार ने अयोध्या में सरयू नदी जलापूर्ति स्रोत से वाटर ट्रीटमेंट फेज- योजना के तहत चिह्नित भूमि को भी नगर विकास विभाग को निशुल्क दिए जाने का फैसला किया है। वहीं कैबिनेट ने हमीरपुर में केंद्र सरकार द्वारा संचालित %आपकी सखी आशा ज्योति केंद्र/ वन स्टाप सेंटर% का भवन बनाने के लिए महिला कल्याण विभागह को निशुल्क भूमि उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। यूपी कैबिनेट की अहम बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पास हुए। इसमें महिलाओं को स्टांप ड्यूटी में छूट देने के साथ सरकारी कर्मचारियों को लोन देने के फैसले शामिल हैं।केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों व कर्मचारियों को भवन की मरम्मत व निर्माण के लिए मिलने वाली अग्रिम राशि को तीन गुना से ज्यादा बढ़ा दिया गया है। ब्याज दरों को भी बाजार दर से लिंक कर दिया गया है। इससे संबंधित प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि कार्मिकों को भवन निर्माण, खरीदने, मरम्मत और विस्तार के लिए एडवांस का प्रावधान है। पहले ये राशि अधिकतम 7 लाख रुपये थी और फिक्स ब्याज 9.1 फीसदी था। इसमें वर्ष 2010 से संशोधन नहीं किया गया था। तब ब्याज दरें 11-12 फीसदी होती थीं। आज होम लोन पर ब्याज 7 से 8 फीसदी है। इससे 7 लाख रुपये लेने वालों की संख्या बहुत कम थी। कैबिनेट अनुमोदन के बाद अब अग्रिम राशि 7 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है। मार्केट रेट से ब्याज लिंक करने से 7 से 8 फीसदी पर रकम मिल सकेगी।शहरी लोगों को पेयजल आपूर्ति, सीवरेज, ड्रेनेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और नगरीय परिवहन जैसी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए शहरों के आसपास स्थित ग्राम समाज की भूमि मुफ्त में दी जाएगी। इसके लिए नगर विकास विभाग को सेवारत विभाग का दर्जा देने का फैसला किया गया है। इसके आधार पर पांच साल तक ऐसी भूमि को मुफ्त में दिया जा सकेगा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यह फैसला किया गया। प्रदेश की कुल जनसंख्या की लगभग एक चौथाई आबादी शहरों में रहती है। प्रदेश में मौजूदा समय 762 निकाय हैं। इनमें 17 नगर निगम, 200 पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतें हैं। नगर विकास विभाग द्वारा संचालिक पेयजल आपूर्ति, सीवरेज, ड्रेनेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और नगरीय परिवहन के लिए पांच साल तक मुफ्त भूमि देने का आदेश राजस्व विभाग द्वारा 17 जून 2011 को जारी किया गया था, जो जून 2016 में समाप्त हो गया है। इसी तरह जो आदेश सात मार्च 2019 को इस संबंध में जारी आदेश मार्च 2024 में समाप्त हो गया है। इसके चलते स्वच्छ भारत मिशन और अमृत योजना में केंद्र सरकार से स्वीकृत कार्यों को पूरा कराने में कठिनाई आ रही थी। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सेनेट्री लैंडफिल साइट का विकास किया जाना, पेयजल परियोजनाओं के लिए ओवरहेड टैंक बनाने, टयूबवेल लगाने, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के लिए भूमि की जरूरत है। ग्राम समाज की भूमि मुफ्त न मिलने की वजह से विभाग को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। इसीलिए नगर विकास विभाग को सेवारत विभाग मानते हुए पांच साल तक इन योजनाओं के लिए ग्राम समाज की भूमि मुफ्त में देने का फैसला कैबिनेट द्वारा किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मनरेगा में अब तक 44 हजार करोड़ रुपये जारी, शिवराज चौहान ने लोकसभा में बताए पूरे आंकड़े

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में मनरेगा के लिए 86,000 करोड़ रुपये का बजट रखा है। अब तक 44,323 करोड़ रुपये राज्यों को जारी किए जा चुके हैं। यह फंड मजदूरी, सामग्री और प्रशासनिक खर्चों के लिए है। सरकार ने पिछली देनदारियों का भी निपटारा किया है।भारत सरकार ने मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) के तहत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अब तक कुल 44,323 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। यह जानकारी मंगलवार को लोकसभा में ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दी। उन्होंने बताया कि इस फंड से देशभर में ग्रामीणों को रोजगार मुहैया कराने के लिए मजदूरी, निर्माण सामग्री और प्रशासनिक खर्चों की पूर्ति की जा रही है।

लंबित देनदारियों का भी किया गया भुगतान ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने एक अलग प्रश्न के जवाब में बताया कि सरकार ने पिछले वित्त वर्ष की लंबित मजदूरी देनदारियों का पूरा भुगतान और निर्माण सामग्री की 50 प्रतिशत देनदारियों का निपटारा कर दिया है। इससे योजना के संचालन में बाधा नहीं आएगी और मजदूरों को समय पर भुगतान मिल सकेगा। जरूरत के अनुसार मिलता है अतिरिक्त फंड शिवराज सिंह चौहान ने जानकारी दी कि मनरेगा एक मांग आधारित योजना है। रोजगार की मांग बढ़ती है, तो ग्रामीण विकास मंत्रालय उस आधार पर योजना का संचालन करता है।

मस्जिद में सपा की बैठकः उनका हथियार ही धर्म, अखिलेश के इस बयान पर डिप्टी CM बोले- वे समाजवादी नहीं, नमाजवादी

सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा कथित तौर पर एक बैठक के लिए मस्जिद का इस्तेमाल करने पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पलटवार किया है। पाठक ने अखिलेश यादव को %समाजवादी% न कहकर %नमाजवादी% कहा। पाठक ने कहा कि वो हमेशा नमाजवादी बने रहते हैं।समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव के दिल्ली में संसद भवन के पास स्थित मस्जिद में कथित तौर पर बैठक करने पर भाजपा ने सवाल उठाए हैं। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही कहा कि अखिलेश ने मस्जिद को सपा का दफ्तर बना दिया, जिसपर अब समाजवादी पार्टी के मुखिया ने जवाब दिया है। अखिलेश यादव के जवाब पर यूपी की डिप्टी सीएम ने पलटवार किया है।दिल्ली में संसद मार्ग स्थित एक मस्जिद के अंदर कथित तौर पर हुई बैठक पर अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि आस्था जोड़ती है और जो आस्था जोड़ने का काम करती है हम उसके साथ हैं। भाजपा को यही तकलीफ है कि कोई जुड़े नहीं। भाजपा लोगों में दूरियां देखना चाहती है।भाजपा चाहती है कि लोग एकजुट न होकर बंटे रहें। हमारी सभी धर्मों में आस्था है। भाजपा को तकलीफ है तो हम क्या करें। भाजपा को आप सब

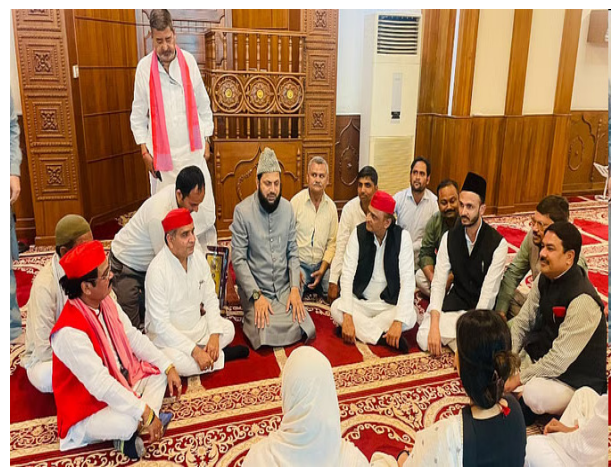

जानते हैं, भाजपा का हथियार ही धर्म हैवहीं, अखिलेश यादव द्वारा कथित तौर पर मस्जिद के अंदर बैठक करने पर समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय ने कहा कि 卐क्या अब हमें मंदिर और मस्जिद जाने के लिए भाजपा से लाइसेंस लेना होगा?...आपको बता दें कि बीते दिन सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव संसद भवन के पास वाली मस्जिद में सपा सांसदों के साथ बैठे थे, जैसे ही उनकी फोटो सामने आई, इस पर भाजपा ने मुद्दा बनाना शुरू कर दिया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने तस्वीर शेयर करते हुए आरोप लगाया कि अखिलेश ने इस मस्जिद को समाजवादी पार्टी कार्यालय बना दिया है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने कड़ी आपत्ति जाहिर की।

वो हमेशा नमाजवादी बने रहते हैं- पाठक

सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा कथित तौर पर एक बैठक के लिए मस्जिद का इस्तेमाल करने पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख और समाजवादी पार्टी हमेशा संविधान का उल्लंघन करते हैं। भारतीय संविधान कहता है कि हम राजनीतिक उद्देश्यों के लिए धार्मिक स्थलों का उपयोग नहीं कर सकते। उन्हें संविधान में विश्वास नहीं है। पाठक ने अखिलेश यादव को %समाजवादी% न कहकर %नमाजवादी% कहा। पाठक ने कहा कि वो हमेशा नमाजवादी बने रहते हैं। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि अखिलेश यादव की सत्ता में वापसी की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर सपा सत्ता में आती है, तो राज्य में दंगे और हत्याएं बढ़ जाएंगी।

भारत-पाकिस्तान पर ट्रंप के दावे जारी, राहुल गांधी का पीएम मोदी पर हमला;कहा- दाल में कुछ काला है

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को एक बार फिर कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराया। इसे लेकर कांग्रेस ने सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम कराने के दावे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर हमला बोला है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप ने 25वीं बार यह बयान दिया। पीएम मोदी इस पर मौन हैं। इससे लगता है दाल में कुछ काला है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सवाल किया कि ट्रंप युद्ध विराम कराने वाले कौन होते हैं? प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर एक बार भी जवाब नहीं दिया है। प्रधानमंत्री कैसे बयान दे सकते हैं? वह क्या कहेंगे, ट्रंप ने संघर्ष विराम करवाया, वह ऐसा नहीं कह सकते। लेकिन

यह सच्चाई है। ट्रंप ने संघर्ष विराम करवाया, पूरी दुनिया जानती है। यह वास्तविकता है। संसद भवन परिसर में राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ संघर्ष विराम का मामला नहीं है। कई बड़ी समस्याएं हैं जिन पर हम चर्चा करना चाहते हैं। रक्षा, रक्षा उद्योग, ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी समस्याएं हैं। स्थिति अच्छी नहीं है और पूरी दुनिया जानती है। जो लोग खुद को देशभक्त कहते हैं, वे भाग गए हैं। प्रधानमंत्री एक बयान भी नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप 25 बार कह चुके हैं कि मैंने संघर्ष विराम करवाया। संघर्ष विराम करवाने वाले ट्रंप कौन होते हैं? यह उनका काम नहीं है। लेकिन प्रधानमंत्री ने एक बार भी जवाब नहीं दिया। यह सच्चाई है, वह इसे छिपा नहीं सकते। सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के विदेश से लौटने पर ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करने की बात स्वीकार कर ली है। राहुल गांधी ने कहा कि एक तरफ सरकार कहती है कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है और दूसरी तरफ कहा जाता है कि जीत हासिल हो गई है। या तो जीत हासिल हो गई है या ऑपरेशन सिंदूर जारी है। ट्रंप कह रहे हैं कि मैंने ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया, वह यह 25 बार कह चुके हैं। इसलिए कुछ न कुछ तो दाल में काला है। भारत की विदेश नीति को लेकर कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार ने हमारी विदेश नीति को नष्ट कर दिया है। किसी ने हमारा समर्थन नहीं किया। कांग्रेस ने सरकार को घेरा इससे पहले ट्रंप के दावे के बाद कांग्रेस ने एक बार फिर मोदी सरकार को घेरा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि एक ओर मोदी सरकार संसद में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर बहस की निश्चित तारीखें देने से इनकार कर रही है और प्रधानमंत्री के जवाब देने को लेकर भी कोई आश्वासन नहीं दे रही है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति ट्रंप इस मुद्दे पर अपने दावों के साथ सिल्वर जुबली तक पहुंच चुके हैं। पिछले 73 दिनों में राष्ट्रपति ट्रंप इस विषय पर 25 बार ढिंढोरा पीट चुके हैं, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री अब तक पूरी तरह मौन हैं। उन्हें केवल विदेश यात्राओं और देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं को अस्थिर करने के लिए ही समय मिल रहा है।

संपादकीय Editorial

Media in the broken pot of debate

Many things are known when the salaries and allowances of the representatives come out in the open. If politics is a profession, then salary is also a right. Politics has got a ground to live on, so every victory has privileges attached to it. When the Himachal Vidhan Sabha was increasing the salary of the MLAs with a happy consensus, the media was getting the news of what the community is. That is why the youth of the press gallery were mentioned again and again in the House and the media sitting in the broken pot of every debate was also cursed, because journalism has neither rights nor privileges in democracy. In the era of inflation, democratic protection has become expensive, that is, every pillar of it needs expenditure, perhaps that is why 'Electoral Bond' was invented and also stopped by its miracle. The public sees the cost of every election in a dilemma. It is very difficult to become an MLA or MP after winning. Now even the election of Panchayat Councilor is a financial system. Therefore, if we hear the heartbeat of the next election in the payment of salary, then it is insufficient. Can anyone bear the cost of elections by saving on his salary and allowances? It is certainly very difficult to go through elections. If the salaries of MPs are increased, then naturally the need to increase the salaries of MLAs of the state increases. At least in the test of increasing salaries, the double engine proves useful. The BJP MLAs who spoke in the debate in the House spoke very well. They spoke in favour of the government and the reality of the state, but we will only say that with the same passion these responsible representatives should also speak in the ears of the Center in favour of Himachal. When did we once see the details of the capability of the elected representative in his education. He can become entitled to salary and pension after spending five years, because it is his constitutional right. This is the democracy here. We can say that the democracy of India is in a good mood and can always remain so, provided the honorables are not worried about what is the inflation rate in the country, what are their needs, what are their facilities, how much is their authority, how crippled is the country or how much debt is there on the state. By the way, the attendance register determines that there is discipline in getting salary, so the journalist who waits for news all day, marks his absence from salary. It is a different matter that now media's attendance is being signed by politics, journalists are being present in every court. Media is no longer just newspapers, so MLAs have also started uploading videos of their news or have started sharing them on digital channels here and there. As much as it was inside the House, it is more outside as well, because the videos of MLAs have now started becoming the property and views of journalists, still there is a complaint that journalists are not loyal. Those who bow down to the friendly side of the media on the issues of their videos from the honorable House, their contact with the public, debates between the ruling and opposition parties, political gossips and their image, if the same curse journalism on the justification of their salary, then it will have to be accepted on which basis of democracy their powers are being displayed. Within the limits of the arguments on which the salaries and allowances of the MLAs should be increased, it is unnecessary to criticize the financial recommendation in favor of the financial system of the state, the ambitions of the unemployed and the self-reliance and independence of the journalists. About half a dozen newspapers are being published from Himachal and the same number are coming from outside, so this is also an investment of employment. If the state has to stay close to words.

The government system is not improving, corruption continues, how will India become a developed country!

Governments are the biggest employers but even the central ministries are not able to get the work done as per the standards. The ruling party knows that it is difficult to build and operate infrastructure projects the way they should be. Due to this, the trend of giving contracts of various works to consulting companies by the governments is increasing. The series of road accidents in our country is not stopping. In this connection, recently the Transport Commissioner of Lucknow wrote a letter to the Secretary of the Ministry of Road Transport and Highways of the Central Government that the facility provided to commercial vehicles to get fitness certificate from anywhere is spreading anarchy. He pointed out that if a vehicle is in the possession of the police, then its certificate can be obtained from somewhere else as well. He mentioned such cases related to road accidents including Gorakhpur, Kanpur. He suggested that it would be better to implement the old system of giving fitness certificate again. These certificates were given by the regional RTO. It has become a trend in our country that if the government provides any facility to the citizens, many people start misusing it. Due to this, the government is forced to make changes in the facilities or services provided for the convenience of the citizens. After all, what is the problem for people in getting their commercial vehicles fitness checked properly? If their vehicles are not fit, there will be a risk of accident and service and repair expenses will also increase. Any vehicle which is serviced on time also consumes less fuel. Despite this, people are careless. Since earlier cases of fraud in fitness testing of vehicles and giving fake certificates by paying money used to come to the fore and vehicle owners also had difficulty in getting fitness certificate from RTO, hence the government provided a facility, but it did not work out. It did not work out because corruption in the government system is not decreasing. It is not only about the fact that due to corruption, questions are being raised on useful rules and laws in the matter of fitness of commercial vehicles. A similar situation exists in other matters as well and one of the reasons for this is the inefficiency and corruption of average government employees. It is no secret that cases of negligence and corruption of irresponsible government employees and officers keep coming up in areas ranging from construction and maintenance of infrastructure to other areas. No matter whose government it is, such cases do not stop. One reason for this is that the accountability of bureaucracy has not been fixed since independence. Since it is difficult for lazy and corrupt people to lose their jobs after joining government service, corruption in bureaucracy is not being controlled. This corruption has not only created problems for the public but has also created obstacles in the development of the country. Instead of improvement with time, the situation in many areas of governance and administration is the same as before and as far as construction of infrastructure is concerned, corruption was neither controlled before nor is it controlled today. What was the reason that the Modi government got the new Parliament building constructed by Tata's company instead of CPWD or any other such agency? Do governments no longer trust their own agencies or have they realized that they are not going to improve? Generally, the quality of construction done by the private sector is relatively good, but the quality of construction done by government agencies is not improving at all. The problem is that the corruption that government agencies do in the construction sector is now being seen in the private sector as well. Governments are the biggest employers, but even the central ministries are not able to get the work done as per the standards. Those in power know that the way infrastructure projects should be constructed and operated is hardly happening. Due to this, the trend of giving contracts of various works to consulting companies by the governments is increasing. Why do governments need consulting companies? Are the top bureaucrats and especially the IAS not capable or is their recruitment process not right? Recently, it was decided to take the services of a consultant company for the maintenance of sewer lines and drinking water pipelines in Delhi. This means that the engineers and other employees of the concerned government departments are not able to do even the simple work of laying or maintaining sewers and pipelines. Today it seems that the people in power are assuming that the average government employees will not work properly in future as well. It is difficult to understand why the agencies of the central or state governments related to construction or service delivery are not able to work according to their own standards? What should have happened is that the ministries, public sector undertakings and other government agencies should have competed with the private sector in terms of efficiency and quality of work and set an example. This would have impacted the private sector as well as the common people and they would also understand the need to follow the rules and laws, but in our country the tide is turning. At present, the necessary willpower to bring about fundamental changes and improvements in the functioning of the agencies of the center and the states is not visible. The bureaucracy is running on its old pattern to a large extent. Due to this, the dream of developed India is getting tarnished. The task is becoming difficult. Although the Prime Minister repeatedly says that there should be no compromise on productivity, quality and improvement in services, but except for a few areas, it does not seem to have much effect. Hardly anything can be seen in India that is up to the standards of developed countries. If this situation remains, how will India become developed? It would be better if this is considered above party political interests. Building the nation should be the first priority of everyone, the administration and the common people.

Childish politics, Congress believes Trump's claims

The Indian Prime Minister has told him clearly on the phone that America had absolutely no role in the so-called ceasefire as is being claimed. The Indian Prime Minister had also told the US President that India's policy on Kashmir remains the same and there is no question of any change in it,

but Congress is not ready to understand this.

Everyone interested in international politics must have probably understood well that US President Trump keeps making strange claims.

He often makes baseless comments and then backs out from them, but perhaps the opposition parties of India and especially the Congress have too much faith in Trump.

Trump claimed that five fighter planes were shot down during the India-Pakistan clash due to Operation Sindoor of the Indian Army in response to the terrorist attack in Pahalgam. He did not clarify which country these planes belonged to, but the Congress leaders immediately reached the conclusion that these fighter planes must have belonged to India.

They expressed the need to know the truth of this useless claim of Trump.

This need was expressed not by any Congress spokesperson but by the leader of opposition in Lok Sabha, Rahul Gandhi.

It seems that he neither trusts the Indian government nor the Indian army. This is not the first time that the Congress is giving importance to the half-baked and anti-India claims made by the leaders of Pakistan and China and sometimes even the US President in the case of Operation Sindoor.

Everyone knows that the US President's claim that he brought about a ceasefire between India and Pakistan and averted the possibility of a nuclear war between the two countries is hollow. No one is believing his claim.

The Indian Prime Minister himself has clearly told him on the phone that the US had absolutely no role in the alleged ceasefire as is being claimed.

The Indian Prime Minister had also told the US President that India's policy on Kashmir remains the same and there is no question of any change in it, but the Congress is not ready to understand this.

The leaders of Congress and opposition parties are well aware that their statements on Kashmir,

Operation Sindoor and many other matters have been used and capitalized on by Pakistan, China and other anti-India forces, but they do not care about it. The most unfortunate thing is that the Congress, which has been in power at the Centre for a long time and is familiar with the nuances of foreign policy,

is behaving childishly.

Even many regional parties are not doing this.

The leaders of Congress and some other parties seem to be waiting for statements against Indian interests to come from Pakistan, China,

America or any other country so that they can corner the government.

This is the attitude that is also hurting the credibility of these leaders.

डीपीओ ने झांझनपुर वार्ड में आयोजित शिविर में गर्भवती महिलाओं की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के बारे में दी जानकारी

स्वास्थ्य और सुपोषण के दृष्टिगत 5000 रुपए का है प्रावधान, गर्भवती महिलाएं नजदीकी आंगनवाड़ी केंद्र पर कराएं पंजीकरण। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत अधिकतम लाभार्थियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से जिले में पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित कराए अधिकारी श्रीमती जानकी आर्या ने क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्रों पर गर्भवती प्रतिदिन किया जा रहा है। जिला वार्ड में आयोजित शिविर में पहुंचकर दौरान अपनाई जाने वाली सावधानी लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे मातृ वंदना योजना के बारे में महिलाओं बताया कि इस योजना का उद्देश्य में महिलाओं को आर्थिक लाभ प्रदान एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की कहा कि कोई भी गर्भवती महिला इस लाभ से वंचित न रह जाए इसलिए कार्यक्रम एवं पंजीकरण शिविर योजना में गर्भावस्था के पहले 6 माह एक प्रसव पूर्व जांच के बाद 3000

नगरीय क्षेत्र के साथ साथ ग्राम जा रहे हैं। जिला कार्यक्रम बताया कि ग्रामीण एवं शहरी महिलाओं का पंजीकरण कार्यक्रम अधिकारी ने झांझनपुर महिलाओं को गर्भावस्था के और सरकार द्वारा महिलाओं के में जानकारी दी। प्रधानमंत्री को जानकारी देते हुए उन्होंने गर्भावस्था की प्रारंभिक अवस्था करना है जिससे उनके पोषण पूर्ति सुनिश्चित हो सके। उन्होंने योजना के तहत दिए जाने वाले व्यापक स्तर पर जागरूकता आयोजित किए जा रहे हैं। में पंजीकरण और कम से कम रूपये प्रदान किए जाते हैं। बच्चों के जन्म पंजीकरण और 14 सप्ताह के बाद टीकाकरण कराने पर 2000 रूपये प्रदान करने की योजना है। इस प्रकार पहले बच्चे के लिए दो किस्तों में कुल 5000 रूपये दिए जाते हैं और यदि दूसरा बच्चा लड़की है तो 6000 रुपए की एक और किस्त प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाएं आंगनबाड़ी केंद्र या उपकेंद्र पर संपर्क कर सकती हैं। मातृ एवं बाल सुरक्षा कार्ड, आधार कार्ड पात्रता के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेजों में शामिल है।

पशुओं में खुरपका-मुंहपका से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान शुरू।

अपर निदेशक, पशु पालन विभाग ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना। जनपद के करीब पांच लाख गोवंश एवं महिषवंशीय पशुओं को लगाया जाएगा नि:शुल्क टीका। जिले में पशुधन को खुरपका-मुंहपका जैसे संक्रामक रोग से बचाने के लिए विशेष टीकाकरण अभियान की शुरुआत हो गई है। अपर निदेशक, पशु पालन विभाग डा. जगदीश प्रसाद ने जिला पशु चिकित्सालय मुरादाबाद से प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम पशुधन की रक्षा और किसानों की आजीविका को सुरक्षित रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह अभियान भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय पशुरोग नियंत्रण कार्यक्रम (एन.ए.डी.सी.पी.) के अंतर्गत 7 सितम्बर 2025 तक चलेगा। जिलेभर में 21 टीमें गठित की गई हैं। प्रत्येक टीम में एक पशु चिकित्सा अधिकारी, एक पशुधन प्रसार अधिकारी और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी/पशु मित्र सहित कुल तीन सदस्य कार्यरत रहेंगे। अभियान के दौरान सभी टीमें कोल्ड चेन व्यवस्था के साथ पशुचिकित्सा वाहनों से क्षेत्रवार टीकाकरण करेंगी। उन्होंने बताया कि इस चरण में 5 लाख गोवंश एवं महिषवंशीय पशुओं को नि:शुल्क टीका लगाया जाएगा, इसमें 4 माह से कम आयु के पशुओं एवं गर्भित मादा पशुओं को इस चरण में शामिल नहीं किया गया है। ऐसे पशु जो किसी कारणवश टीकाकरण से छूट जाएंगे, उन्हें अगले चरण में शामिल किया जाएगा। जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ग्रामीण क्षेत्रों में टीमें समयबद्ध पहुंचें और कोई पशु टीकाकरण से वंचित न रह जाए। उन्होंने पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं को अनिवार्य रूप से टीकाकरण हेतु उपलब्ध कराएं, जिससे यह रोग जड़ से समाप्त हो सके। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा. सुनील दत्त प्रजापति, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सदर डॉ. जितेंद्र वीर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। क्या है खुरपका-मुंहपका रोग और क्यों है इतना खतरनाक? खुरपका-मुंहपका (फुट एंड माउथ डिजीज) एक गंभीर वायरल जनित बीमारी है जो पशुओं के लिए दर्दनाक साबित होती है। इस रोग के संक्रमण से पशुओं के मुंह और खुरों में छाले पड़ जाते हैं, जिसके कारण वे कुछ भी खा-पी नहीं पाते। भोजन-पानी छोड़ने की वजह से पशुओं में अत्यधिक कमजोरी आ जाती है और कई मामलों में उनकी मृत्यु भी हो जाती है। यदि समय पर इस बीमारी का इलाज न किया जाए तो पैरों में संक्रमण फैलने और कीड़े पड़ने का भी खतरा बना रहता है, जिससे पशु की स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। पशु चिकित्सा विभाग ने सभी पशुपालकों से अपील की है कि इस अभियान में सक्रिय रूप से हिस्सा लें और अपने सभी पशुओं का टीकाकरण अवश्य कराएं। इसके साथ ही विभाग ने पशुपालकों से अपने पशुओं के कान में टैग लगवाने और उन्हें %भारत पशुधन ऐप% पर पंजीकृत कराने का भी आग्रह किया है। इस पंजीकरण से न केवल पशुओं का रिकॉर्ड रखने में आसानी होगी, बल्कि सरकारी योजनाओं का लाभ भी उन तक सीधे पहुंच सकेगा। विभाग का कहना है कि पशुपालकों की जागरूकता और सहयोग से ही खुरपका- मुंहपका जैसी घातक बीमारी पर पूरी तरह से काबू पाया जा सकता है।

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने अपर जिलाधिकारी प्रशासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री गुलाबचंद्र के साथ मुरादाबाद शहर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान - शेष मतदाताओं से 25 जुलाई, 2025 तक गणना प्रपत्र भरने एवं आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने की अपील। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision - SIR) अभियान के अंतर्गत 24 जून, 2025 की स्थिति में कुल 7,89,69,844 मतदाताओं में से अब तक 6,99,92,926 मतदाताओं (88.65%) से गणना प्रपत्र प्राप्त किए जा चुके हैं। भारत निर्वाचन आयोग की दिनांक 16.07.2025 के प्रेस विज्ञप्ति के आलोक में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में केवल 6.85% (54,07,483) मतदाता शेष हैं, जिनसे अगले 9 दिनों के भीतर, यानी 25 जुलाई, 2025 तक, गणना प्रपत्र प्राप्त किए जाने हैं। संभव है

कि इनमें से कई मतदाता अस्थाई रूप से बिहार के बाहर गये हुए है, जो ऑनलाइन माध्यम अथवा परिवार के सदस्यों के सहयोग से गणना प्रपत्र भर सकते है। अब तक 6,47,24,300 (81.96ल्ल) प्रपत्र अपलोड भी किए जा चुके हैं।

प्रारूप निर्वाचक नामावली 01 अगस्त, 2025 को प्रकाशित की जाएगी और दावा-आपत्ति की अवधि 01 अगस्त, 2025 से 01 सितंबर, 2025 तक निर्धारित है। बिहार से बाहर अस्थाई रूप से रहने वाले मतदाता भी अपने मोबाइल फोन, वेबसाइट https://voters.eci.gov.in अथवा ECINET App के माध्यम से ऑनलाइन गणना प्रपत्र स्वयं भर सकते हैं। इसके अलावा वे प्री- फिल्ड फॉर्म डाउनलोड कर हस्ताक्षरित प्रति को व्हाट्सएप, ई-मेल या अन्य माध्यम से क्क्ष्ह तक भेज सकते हैं, या परिवार के सदस्य के माध्यम से क्क्ष्ह को प्रेषित कर सकते हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण में गणना प्रपत्र भरने हेतु निम्न 11 दस्तावेजों में से कोई भी संलग्न किया जा सकता हैं-

1. किसी भी केन्द्रीय / राज्य सरकार / PSU के नियमित कर्मचारी / पेंशनधारी को जारी पहचान पत्र या PPO 2. 01 जुलाई 1987 से पूर्व भारत में किसी सरकारी / स्थानीय निकाय/ बैंक / डाकघर/स्छ्ष्ट/ क्क्ष द्वारा जारी कोई दस्तावेज 3. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र 4. पासपोर्ट 5. मान्यता प्राप्त बोर्ड / विश्वविद्यालय द्वारा जारी शैक्षणिक प्रमाणपत्र 6. सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी निवास प्रमाण पत्र 7. वन अधिकार पत्र 8. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र

9. नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर (जहाँ उपलब्ध हो) 10. राज्य / स्थानीय प्राधिकारी द्वारा तैयार पारिवारिक रजिस्टर 11. सरकार द्वारा जारी भूमि या मकान आवंटन प्रमाण पत्र यदि इन उल्लेखित दस्तावेजों में से कोई एक भी गणना प्रपत्र के साथ संलग्न कर दिया जाए, तो निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को नाम जोड़ने की प्रक्रिया में सुविधा होती है। यदि दस्तावेज तत्काल उपलब्ध न हों तो दस्तावेज बाद में 25 जुलाई, 2025 तक अथवा दावा-आपत्ति अवधि (01 अगस्त, 2025 से 01 सितंबर, 2025) में भी प्रस्तुत किए जा सकते हैं। प्रारूप मतदाता सूची में मतदाता का नाम सम्मिलित होने हेतु गणना प्रपत्र 25 जुलाई, 2025 तक उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है। मतदाता ECINET App या https://voters.eci.gov.in पर जाकर अपने फॉर्म की स्थिति की भी जाँच कर सकते हैं।

हनीट्रैप गैंग का खुलासा: दो महिलाओं समेत चार गिरफ्तार, लोगों की आपत्तिजनक वीडियो बनाकर करते थे ब्लैकमेल

मुरादाबाद- सिविल लाइंस थाना पुलिस ने हनी ट्रैप गैंग का खुलासा करते हुए दो महिलाओं समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरोह के सदस्य सोशल मीडिया के जरिए लोगों को जाल में फंसाकर उनसे अवैध रूप से मोटी रकम ऐंठते थे। आरोपियों के पास से पीड़ित से वसूले 40 हजार रुपये और चार मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। बुधवार को पुलिस लाइन में हुई प्रेसवार्ता में एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में रहने वाले सेवानिवृत्त व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि कुछ लोगों ने उसे हनी ट्रैप में फंसाकर पहले आपत्तिजनक वीडियो बना लिया और फिर दुष्कर्म के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 10 लाख रुपये की मांग की। डर के चलते व्यक्ति ने अपनी कार से 50 हजार रुपये निकालकर आरोपियों को दे दिये। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने सोनू शर्मा और अमन नामक युवकों के साथ मिलकर साजिश रची थी। सोनू ने महक उर्फ फरीदा को पीड़ित का मोबाइल नंबर दिया। इसके बाद महक ने व्हाट्सएप और फोन कॉल के जरिए उससे बातचीत शुरू की और फिर मिलने के बहाने एक किराये के फ्लैट में बुलाया। वहां पहले से मौजूद राहुल शर्मा, राधेश्याम और रानी ने पीड़ित की महक के साथ आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लीं। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित को झूठे मुकदमे में फंसाने और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 10 लाख रुपये मांगे। पीड़ित ने डर के चलते मौके पर ही 50 हजार रुपये दे दिए। बाद में मामला पुलिस तक पहुंचा और कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो अन्य फरार हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि महक उर्फ फरीदा पहले भी अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पिता की हत्या के मामले में जेल जा चुकी है। पुलिस ने राहुल शर्मा निवासी एकता कॉलोनी थाना मझोला, राधेश्याम निवासी चंदनपुर थाना मूंढापांडे, महक उर्फ फरीदा निवासी दीवान का बाजार व रानी निवासी मोहल्ला गुलाबरा का बाग थाना नागफनी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 40 हज़ार की नकदी व चार मोबाइल बरामद हुए हैं। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता कहना है कि गैंग के सदस्य सोनू शर्मा व अमन फरार है, जिनकी तलाश की जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गैंग का खुलासा करने वाली टीम- लोगों हनी ट्रैप में फंसाने वाले गैंग के सदस्यों को सिविल लाइंस थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना ने अपनी टीम के साथ मिलकर गिरफ्तार किया है। उनकी टीम में एसएसआई हरेंद्र सिंह, दरोगा विनित कुमार, विपिन पुंडीर, हेड कांस्टेबल अंकुमल कुमार, सिपाही आलिम जावेद, अकित कुमार, महिला सिपाही निधि चौधरी व ममता रावत शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

ड्रोन की दहशत में रतजगा कर रहे ग्रामीणों ने चोर को बंधक बनाकर दी पिटाई

मुरादाबाद- इन दिनों ड्रोन मुरादाबाद समेत आसपास के जिलों में ड्रोन की दहशत है। लोग घर के बाहर लाठी डंडे लेकर रतजगा कर रहे हैं। देर रात चोरों की आहट पर जाग रहे ग्रामीणों ने एक युवक को दबोच कर बंधक बना लिया। धुनाई के बाद हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराया। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों ने चोर के हाथ में ड्रोन जैसा उपकरण देख हंगामा कर दिया। फिलहाल पकड़े गए युवक को हिरासत में लेकर कोतवाली ले आई। केमरी रोड स्थित कोटा जागीर में सोमवार रात करीब एक बजे गांव में टहलते हुए चोरी की योजना बना रहे आधा दर्जन संदिग्ध व्यक्तियों के देखे जाने पर शोर मच गया। इसके बाद भारी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। उन्होंने एक युवक को मौके से धर-दबोच लिया। बाकी मौका पाकर वहां से फरार हो गए। बताया जाता है कि आक्रोशित ग्रामीणों ने पकड़े गए युवक की धुनाई लगाकर पूछताछ की। मगर वह कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हुआ इसके बाद आक्रोशित ग्रामीण युवक को सड़क पर ले आए। बंधक बनाकर हंगामा काटने लगे। इससे अन्य ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर ग्राम प्रधान ओमप्रकाश यादव भी मौके पर पहुंचे। उधर सूचना पर भारी पुलिस बल गांव पहुंच गया। युवक को ग्रामीणों के कब्जे से मुक्त कराया। अपने साथ कोतवाली ले आई। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने बताया कि आधा दर्जन के करीब लोग गांव के ही रहने वाले मंगल सिंह के घर के पास देखे गए। उनके हाथों में ड्रोन उड़ाने जैसा उपकरण था जिसमें लाल लाइट जलती दिख रही थी। गृहस्वामी ने शोर मचा दिया तो, लोग तितर-बितर हो गए। ग्रामीणों ने एक को मौके पर दबोच लिया।पुलिस क्षेत्राधिकारी रविन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि लगातार पुलिस रात्रि गश्त कर रही है। पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। जांच के उपरांत अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

उत्पीड़न को लेकर भड़के राशन डीलर, किया प्रदर्शन

मांगों को लेकर पिछले तीन दिनों से हड़ताल पर हैं राशन डीलर

मुरादाबाद- तय मानदेय और कमीशन बढ़ाने समेत कई मांगों को लेकर पिछले तीन दिनों से हड़ताल कर रहे राशन डीलर मंगलवार को भड़क गए। गुस्साए डीलरों ने धरना प्रदर्शन कर मांगे पूरी करने के लिए आवाज उठाई। मुरादाबाद रोड स्थित एक बैंकट हॉल में बिलारी और कुंदरकी ब्लॉक के करीब तीन सौ ज्यादा राशन डीलर एक दिवसीय धरने में शामिल हुए। डीलरों ने मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी ने कहा कि, 18 जुलाई को प्रदेश भर के राशन डीलरों ने संगठन के आह्वान पर लखनऊ में अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन दिया था। 20 जुलाई से हड़ताल है। कहा कि सरकार अन्य प्रदेशों की भांति राशन डीलरों का निर्धारित 30 हजार महीना मानदेय किया जाए और उनका कमीशन बढ़ाया जाए। राशन डीलर का शोषण बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगा। पांच महीने का कमीशन का भुगतान नहीं किया गया है। जल्द मांगें पूरी नहीं हुईं तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। जिलाध्यक्ष चौधरी हरवीर सिंह ने कहा कि, राशन डीलर इतने कम कमीशन में परिवार नहीं चला सकता है। सरकार मांगे पूरी करें। तहसील अध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि, राशन डीलर की आर्थिक स्थिति कमजोर है। इतने कम पैसों में परिवार का भरण पोषण नहीं हो सकता है। राशन डीलरों ने सरकार जल्द ही मांग पूरी करने की आवाज उठाई। धरने में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अनिल चौधरी, हाजी अब्दुल हसन, रहीस अहमद ,रणवीर सिंह, महेंद्र सिंह, सत्तार अली, चौधरी हरवीर सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष सतपाल सिंह, राजेंद्र सिंह, अनवर हुसैन, रूमान लाल, यासीन हुसैन, अरविंद कुमार, डॉ. सलीम, गल्फराज हुसैन, चौधरी विजय पाल सिंह, सद्दाम हुसैन, ओमवीर सिंह, चंद्रपाल सिंह समेत बड़ी संख्या में राशन डीलर मौजूद रहे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कांग्रेस पार्टी ने किसानों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया

नगर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी की अगुवाई में दिया ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के आवाहन पर एवं जिला अध्यक्ष अरविंद सिंह सेंगर के निर्देश पर नगर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी की अगुवाई मे आज उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में किसानों को मुफ्त बिजली, खाद और सिचाई समेत अन्य समस्याओं को किया गया वादा सरकार पूरा नही कर पाई किसानों की इन समस्याओं को लेकर कोंच तहसील कोंच कांग्रेस कार्यकर्ता ओं ने राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन नायब तहसीलदार सादुल्ला खान को दिया कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि खरीफ की फसल में बुवाई चल रही है किसानों को इस समय यूरिया खाद व सिंचाई के लिए पानी की अत्यंत आवश्यकता है, भाजपा ने अपने चुनावी संकल्प पत्र में किसानों को मुफ्त बिजली और उनकी आय को दोगुना करने का वादा किया था किंतु वह वादा पूरी तरीके से आज खोखला साबित हुआ है वास्तविकता तो यह है कि भाजपा की डबल इंजन सरकार किसानों को मुफ्त बिजली देना तो दूर की बात है बल्कि विद्युत आपूर्ति की कमी के चलते उन्हें सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है और खाद के लिए दरदर भटकना पड़ रहा है आज किसान यूरिया और सिंचाई के लिए त्राहि त्राहि कर रहा है और यूरिया खाद के लिए किसान सहकारी समिति व निजी दुकानों पर काला बाजारी के चलते इस उमस भरी गर्मी में दिन दिन भर लाइन लगाए ओने पौने बढ़े दामों पर खरीदने के लिए विवश है।कांग्रेस ने किसानों को खाद बिजली पानी सिंचाई यूरिया खाद समय से उपलब्ध कराने हेतु शासन प्रशासन को किसानों की समस्याओं का निराकरण करने की मांग की है इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राम नरेश त्रिपाठी वरिष्ठ कांग्रेसी रज्जाक अंसारी वरिष्ठ कांग्रेस विजय कुमार द्विवेदी वरिष्ठ कांग्रेसी एडवोकेट पुष्कर राज सीनियर नेता ओमप्रकाश कौशिक जिला सचिव श्री नारायण दीक्षित पूर्व बार संघ अध्यक्ष नवल किशोर जाटव अवधेश अवस्थी पूर्व सभासद जाहिद खान सीनियर नेता विनोद कुशवाहा जिला महासचिव सेठ नासिर खान सभासद वेद प्रकाश द्विवेदी राजू वेद कासिम मंसूरी शहाबुद्दीन नजीर खान देवेंद्र शर्मा बृजेश श्रीवास्तव संतोष नायक राम प्रजापत बबलू दुबे सहित तमाम पार्टी नेता मौजूद रहे

मोहन भागवत बोले: आज सभी समस्याओं का एकमात्र समाधान है भारतीयता; भौतिकतावाद से जूझ रही दुनिया हमारी ओर देख रही

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया भारत की ओर देख रही है, इस उम्मीद में कि यह उन्हें एक नया रास्ता दिखाएगा। हमें दुनिया को रास्ता दिखाना होगा। इसके लिए, हमें अपना राष्ट्र तैयार करना होगा, जिसकी शुरुआत खुद से और अपने परिवार से करनी होगी।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों का आह्वान किया कि वे भारतीयता को आत्मसात करें और दुनिया को उसकी सभी समस्याओं का समाधान दिखाएं। दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, भौतिकतावाद के कारण दुनिया कई समस्याओं का सामना कर रही है और अब जवाब के लिए भारत की ओर देख रही है क्योंकि पिछले 2000 वर्षों में पश्चिमी विचारों पर आधारित लोगों के जीवन में खुशी और संतोष लाने के सभी प्रयास विफल रहे हैं।उन्होंने कहा, दुनिया में विज्ञान और आर्थिक प्रगति के क्षेत्र में हुई सभी प्रगति ने विलासिता की चीजें ला दीं और लोगों के जीवन को आसान बना दिया, लेकिन दुखों को खत्म नहीं कर सकी। इग्नू और अखिल भारतीय अणुव्रत न्यास की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में भागवत ने कहा, शोषण बढ़ा, गरीबी बढ़ी। गरीब और अमीर के बीच की खाई दिन-ब-दिन बढ़ती ही गई। प्रथम विश्व युद्ध के बाद शांति की वकालत करने वाली कई किताबें लिखी गईं, भविष्य में फिर से युद्ध न हो, इसके लिए राष्ट्र संघ का गठन किया गया, लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन हुआ। लेकिन आज हम सोच रहे हैं कि क्या तीसरा विश्व युद्ध होगा।भागवत ने कहा, भारतीयता ही आज दुनिया के सामने मौजूद सभी समस्याओं का एकमात्र समाधान है। भारत का होने का क्या अर्थ है? भारतीयता नागरिकता नहीं है। बेशक, नागरिकता आवश्यक है। लेकिन, भारत का हिस्सा बनने के लिए भारत का स्वभाव होना जरूरी है। भारत का स्वभाव पूरे जीवन के बारे में सोचता है। हिंदू दर्शन में चार पुरुषार्थ हैं... मोक्ष जीवन का अंतिम लक्ष्य है। भारत का स्वभाव धर्म दृष्टि पर आधारित है। उन्होंने कहा, धर्म के इसी अनुशासन के कारण भारत कभी सबसे समृद्ध राष्ट्र था और दुनिया इसे जानती है। संघ प्रमुख ने कहा, यही कारण है कि दुनिया भारत की ओर देखती है, इस उम्मीद में कि यह उन्हें एक नया रास्ता दिखाएगा। हमें दुनिया को रास्ता दिखाना होगा। इसके लिए, हमें अपना राष्ट्र तैयार करना होगा, जिसकी शुरुआत खुद से और अपने परिवार से करनी होगी। यह देखें कि क्या हम अपने दैनिक जीवन में अपनी दृष्टि का पालन कर रहे हैं या नहीं, और फिर इसमें सुधार करें। लोगों को परिवर्तन के लिए तैयार होने का आह्वान करते हुए, भागवत ने कहा, हम जो इतिहास जानते हैं वह पश्चिम की ओर से पढ़ाया जाता रहा है। मैं सुन रहा हूं कि हमारे देश के पाठ्यक्रम में कुछ बदलाव किए जा रहे हैं। उनके (पश्चिम) लिए, भारत का कोई अस्तित्व नहीं है। यह विश्व मानचित्र पर तो दिखाई देता है, लेकिन उनके विचारों में नहीं। अगर आप किताबों में देखेंगे, तो आपको चीन, जापान मिलेगा, भारत नहीं।

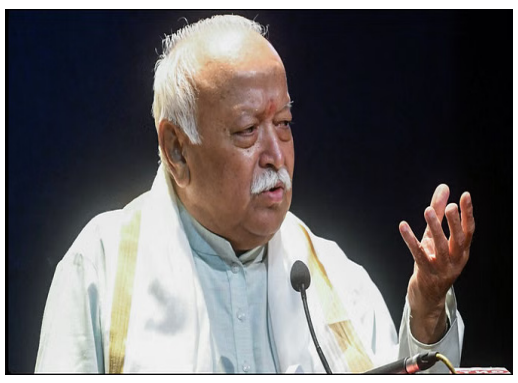

तत्काल टिकट और चार्ट टाइमिंग के बाद रेलवे ने बदला VIP कोटा नियम, अब इस समय तक करना होगा आवेदन

रेलवे की ओर से इमरजेंसी कोटा टिकट के नियमों में ये बदलाव हाल ही में लिए गए उस फैसले के मद्देनजर लिया गया है, जिसमें ट्रेन रवाना होने से आठ घंटे पहले आरक्षण चार्ट तैयार करने का फैसला किया गया है।रेलवे मंत्रालय ने चार्ट तैयार करने और तत्काल टिकट बुकिंग प्रक्रिया में बदलाव करने के बाद अब आपातकालीन कोटा के समय में भी बदलाव कर दिया गया है। रेल मंत्रालय कहना है कि यात्रियों को ट्रेन के प्रस्थान से कम से कम एक दिन पहले आपातकालीन कोटे के लिए आवेदन करना होगा।रेल मंत्रालय की ओर से इमरजेंसी कोटा के नियमों में बदलाव से संबंधित एक परिपत्र को जारी किया गया है। इसमें कहा गया है, रात 12 बजे के बाद दिन के 1 बजे के बीच रवाना होने वाली सभी ट्रेनों के लिए आपातकालीन कोटा अनुरोध यात्रा के एक दिन पहले दोपहर 12 बजे तक ईक्यू सेल तक पहुंच जाना चाहिए, जबकि दोपहर 2 बजे से रात 12 बजे के बीच रवाना होने वाली शेष सभी ट्रेनों के लिए आपातकालीन कोटा अनुरोध यात्रा के एक दिन पहले 4 बजे तक ईक्यू सेल तक पहुंच जाना चाहिए। ट्रेन के प्रस्थान के दिन प्राप्त होने वाले अनुरोध स्वीकार नहीं किए जाएंगे।इसके अलावा रविवार या सार्वजनिक छुट्टियों के मामले में भी सर्कुलर में उल्लेख किया गया है। मंत्रालय ने कहा है कि छुट्टियों के दिन चलने वाली ट्रेनों का कोटा अनुरोध कार्यदिवस वाले ही मान्य किए जाएंगे। रविवार या उसके बाद छुट्टियों वाले दिन के इमरजेंसी कोटा भी पिछले कार्य दिवस के कार्यालय समय के दौरान ही मान्य किए जाएंगे। रेलवे की ओर से इमरजेंसी कोटा टिकट के नियमों में ये बदलाव हाल ही में लिए गए उस फैसले के मद्देनजर लिया गया है, जिसमें ट्रेन रवाना होने से आठ घंटे पहले आरक्षण चार्ट तैयार करने का फैसला किया गया है। नए नियम के अनुसार सुबह पांच बजे से दोपहर दो बजे के बीच रवाना वाली ट्रेन का पहला चार्ट एक दिन पहले रात को 9 बजे तक तैयार हो जाएगा। इसी तरह से दोपहर दो बजे से रात 11:59 बजे तथा रात 12 बजे से सुबह पांच बजे के बीच प्रस्थान करने वाली ट्रेनों के लिए, पहला आरक्षण चार्ट आठ 8 घंटे पहले तैयार किया जाएगा।

बड़ा मील में नेत्र शिविर में निशुल्क चश्मे वितरित, आधा सैकड़ा मरीज मोतियाबिंद से पीड़ित निकले

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन) स्थानीय एस एन गुप्ता पब्लिक स्कूल बड़ा मील में इस निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजक एक अच्छे समाजसेवी सुरेश नारायण गुप्ता बाबू जी की देखरेख में आयोजित किया गया इस नेत्र शिविर में सदगुरू नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट की टीम में आये डा प्रदीप कुमार रजक राम प्रताप पांडेय हामिद खान राजेंद्र कुमार और राजन आदि ने शिविर में आए तमाम मरीजों का परीक्षण कर उन्हें दवा और निशुल्क चश्मे वितरित किए ओर परीक्षण के उपरांत जिन मरीजों की आंखों में मोतिया बिंद पाया गया उन सभी मरीजों को अपनी गाड़ी में ले जाकर चित्रकूट ले गए जिनका ऑपरेशन किया जावेगा इस शिविर में आधा सैकड़ा भर मरीज मोतियाबिंद से पीड़ित पाये गए और एक सैकड़ा भर मरीजों को निशुल्क चश्मे वितरित किये गये

रुद्राभिषेक कर सीएम योगी ने की लोक मंगल की कामना, शिवरात्रि पर मानसरोवर मंदिर में हुआ हवन

गोरखपुर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सावन शिवरात्रि के अवसर पर मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक किया।पावन सावन माह की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि, सावन शिवरात्रि (बुधवार) को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंधियारी बाग स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। प्राचीन मानसरोवर मंदिर में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प, दुर्वा, अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने कर बाद जल, गोदुग्ध और गन्ने के रस से रुद्राभिषेक किया। गोरखनाथ मंदिर के विद्वत पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन व आरती कर अनुष्ठान को पूर्ण किया। उन्होंने देवाधिदेव महादेव से प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह आदि भी उपस्थित रहे।

शरद पवार-उद्धव ने की CM फडणवीस की तारीफ, भाजपा नेता बोले- यह राज्य की संस्कृति का हिस्सा

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राजभवन में सीएम देवेंद्र फडणवीस पर महाराष्ट्र नायक नामक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया था। इस पुस्तक में उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने सीएम फडणवीस की तारीफ की। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की एनसीपी नेता शरद पवार और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने तारीफ की। इसे लेकर भाजपा नेताओं खुशी जाहिर की है। भाजपा नेताओं ने कहा कि यह महाराष्ट्र की संस्कृति का हिस्सा है। पवार और ठाकरे ने सीएम फडणवीस के जन्मदिन पर जारी की गई काफी टेबल बुक में उनकी तारीफ की थी।महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि किसी व्यक्ति के जन्मदिन पर उसके अच्छे काम और उपलब्धियों की सराहना करना महाराष्ट्र की सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है। मेरा मानना है कि उद्धव ने देवेंद्र फडणवीस के काम, उनके विजन और खासकर 2029 तक विकसित महाराष्ट्र के लिए उनके द्वारा रखे गए लक्ष्य की सराहना की है। इस विजन को वाकई महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है। उद्धव ठाकरे द्वारा की गई प्रशंसा न केवल इस राज्य की राजनीति के लिए, बल्कि सभी राजनीतिक दलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जन्मदिन की बधाई या प्रशंसा कोई राजनीतिक घटना नहीं है, यह प्रोत्साहन का एक रूप है। वहीं भाजपा विधायक राम कदम ने कहा कि शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने सीएम के बारे में जो भी कहा है, वो बिल्कुल सही है। सीएम एक मेहनती कार्यकर्ता की तरह रात के तीन बजे तक हर व्यक्ति से मिलते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने की कोशिश करते हैं। हमें ये समझने की जरूरत है कि हमारी राजनीतिक पार्टियां अलग हैं। हमारी लड़ाई विचारों की है, व्यक्तिगत दुश्मनी की नहीं। फडणवीस ने जताया था ठाकरे और पवार का धन्यवाद इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने जन्मदिन पर जारी कॉफी टेबल बुक में उनकी प्रशंसा करने के लिए एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को धन्यवाद दिया था। उन्होंने कहा कि वे उनके वैचारिक विरोधी हैं, दुश्मन नहीं। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राजभवन में फडणवीस पर महाराष्ट्र नायक नामक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया था। पुस्तक में शरद पवार ने लिखा है कि जब वह फडणवीस को देखते हैं तो उन्हें वह समय याद आता है जब वह स्वयं 1978 में पहली बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने थे। फडणवीस जानकार हैं और राज्य प्रशासन पर उनकी मजबूत पकड़ है। वहीं उद्धव ठाकरे ने पुस्तक में अपने लेख में फडणवीस को एक अध्ययनशील और वफादार राजनेता बताया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा है कि फडणवीस के पास राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी भूमिका पाने का मौका है और उन्होंने भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

नदीगांव थाने के दरोगा विशाल शर्मा ने चाकू के साथ गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना नदीगांव में तैनात दरोगा विशाल शर्मा अपने हमराही सिपाहियों के साथ गस्त कर रहे थे तभी ग्राम बसीट से देवेंद्र कुशवाहा पुत्र मुन्ना लाल निवासी ग्राम कन्हरी को पकड़ लिया और तलाशी के समय एक चाकू लोहे का बरामद किया है पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा धारा 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज कर लिया है

स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों की जयंती मनाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ रिठौरा। नगर के पी0 एन0 दीवान पब्लिक स्कूल में बुधवार को स्वतंत्रता संग्राम के महानायक चंद्रशेखर आजाद, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार गुप्ता एवं स्टाफ ने दोनों महान सपूतों के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया।श्री गुप्ता ने महानायकों के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताया हमारे देश को आजाद कराने में इन वीर सपूतों ने अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया। तब जाकर हमें आजादी मिली।हम सबको भी अपने देश के प्रति जागरूक होकर अपनी आजादी को कायम रखते हुए जीवन भर देश रक्षा का प्रण लेना चाहिए।इस दौरान शिक्षक राजेंद्र सक्सेना, दीपिका बनर्जी,खूबकरन लाल, प्रज्ञा गुप्ता,सुलभ अग्रवाल, यासीन, ममता शंखधार, रूबी गंगवार,शीतल साहू, सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

एमएलसी , विधायक ने अंगवस्त्र भेंट कर डाक कांवरियों को हरिद्वार रवाना किया

क्यूँ न लिखूँ सच/रिठौरा। थाना हाफिजगंज के गांव भंडसर से बुधवार को 101 सदस्यीय डाक कांवरियों का जत्था महंत अंशू पाण्डेय के नेतृत्व में जल लेने हरिद्वार रवाना होने से पहले गांव पहुंचे एम एल सी बहोरन लाल मौर्य, जिला पंचायत सदस्य किरन पटेल, सुरेन्द्र पटेल ने सभी भोलों को अंग वस्त्र भेंट कर पुष्प वर्षा की। गांव के शिवालयों, देवस्थानों पर पूजा -अर्चना के बाद बैंड -बाजों की धुनों पर थिरकते कांवरियों का जत्था रवाना हुआ।इस दौरान भोले कुलवीर सिंह, चौधरी सुधीर सिंह,अमित,पंकज,मुखवीर सिंह, वीरपाल यादव, अर्जुन पटेल, सतेंद्र,सोनू पटेल, यशपाल, चौधरी सत्यवीर सिंह,बाबू सिंह, सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

28 जुलाई को ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा तय; 16 घंटे होगी बहस, PM मोदी की मौजूदगी में राजनाथ देंगे जवाब

विपक्ष की तरफ से पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग के बाद सरकार ने इसके लिए 16 घंटे का समय तय किया है। सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद रहेंगे और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जवाब देंगे।राज्यसभा की व्यापार सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में बुधवार को विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग की। विपक्ष ने कहा कि इस मुद्दे पर राज्यसभा में अगले हफ्ते से दो दिन तक 16 घंटे की चर्चा होनी चाहिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए। यह बैठक मानसून सत्र के दौरान हुई, जिसमें विभिन्न दलों के नेता, राज्यसभा में सदन के नेता जे. पी. नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने की। यह बैठक पहले सोमवार को प्रस्तावित थी, लेकिन उसी दिन शाम को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बैठक के बाद कांग्रेस के राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी ने बताया कि विपक्ष ने एक सुर में मांग की कि पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा अगले हफ्ते से शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि लोकसभा में इस पर चर्चा शुरू होने के एक दिन बाद राज्यसभा में चर्चा होनी चाहिए।28 जुलाई को ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा, पीएम रहेंगे मौजूद

वहीं, अब जानकारी सामने आई है कि ऑपरेशन सिंदूर पर 28 जुलाई से लोकसभा में चर्चा शुरू होगी। सदन में इस पर 16 घंटे तक चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान मौजूद रहेंगे। जबकि, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस पर जवाब देंगे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / जो भी नाले खुले हैं उन्हें स्लैब डालकर या लोहे की जाली लगाकर कवर किए जाने के दिए निर्देश बरेली ⁼ जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि रास्तों में नंदी काफी संख्या में हैं, नंदीयों को रास्तों से हटवाया जाए अन्यथा कोई घटना होने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी तथा कैन्टोमेंट बोर्ड का भी सहयोग लिया जाए। बैठक में अवगत कराया गया कि ओवर स्पीड, झपकी आ जाना, अवैध कट, मादक पदार्थों का सेवन आदि दुर्घटनाओं के मुख्य कारण है। बैठक में निर्देश दिए गए कि जिन कमर्शियल भवनो में पार्किंग एरिया के नाम से छोड़े गए स्थान पर अन्य गतिविधियां शुरू कर दी है उन पर कार्यवाही की जाये। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि ब्लैक स्पाट्स जिनमें सुधारात्मक कार्य पूर्ण हो चुके हैं और विगत लम्बे समय से उन स्थानों पर दुर्घटनाएं नहीं हुई हैं। कमेटी गठित कर सर्वे करें और तदनुरूप ब्लैक स्पाट्स लिस्ट से उन्हें हटाया जाए। निर्देश दिए कि जो भी नाले खुले हुए हैं उन्हें स्लैब डालकर या लोहे की जाली लगाकर कवर कराया जाए। जिससे कोई दुर्घटना घटित ना हो। बैठक में अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री, पुलिस अधीक्षक यातायात, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग, एआरटीओ सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे ।।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत, पुलिस ने पति को लिया हिरासत में

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना सुभाषनगर क्षेत्र के शांति विहार कॉलोनी में 22 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मायका पक्ष ने पति पर हत्या का आरोप लगाकर पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। महिला के पति को हिरासत में लिया गया है। हाफिजगंज थाना क्षेत्र के गांव सुंदरी निवासी सोनी (22) की शादी चार साल पहले शांति विहार निवासी हिमांशु से हुई थी। पोस्टमार्टम हाउस पर सोनी की मां सुमन ने बताया कि शादी के बाद से ही हिमांशु और उसके परिवार के लोग सोनी को दहेज की खातिर परेशान करते थे। वह अक्सर मायके से रूपये लाने का दबाव बनाते थे। कई बार सोनी के भाई ने उसके पति के खाते में रुपये ट्रांसफर किए थे। गला दबाकर हत्या का आरोप सुमन का आरोप है कि सोमवार शाम हिमांशु ने सोनी की पिटाई की। इसके बाद लकड़ी की पटली से गला दबाकर हत्या कर दी। पड़ोसियों से जानकारी मिलने पर सुनम ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पति हिमांशु सिक्योरिटी गार्ड है। पुलिस ने उसे हिरासत में लिया है। हिमांशु का कहना है कि पत्नी ने किसी बात से नाराज होकर फंदा लगाकर जान दे दी। सोनी की सास रामादेवी ने कहा कि सोनी और हिमांशु के बीच अक्सर शराब पीने को लेकर विवाद होता था। मंगलवार को भी दोनों के बीच कहासुनी हुई थी, इसके बाद हिमांशु घर से बाहर चला गया था। शाम को जब वह लौटा तो सोनी ने दरवाजा नहीं खोला। जब दरवाजा तोड़ा गया, तो वह फंदे से लटकी मिली। सुभाषनगर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह का कहना है कि आरोपों की जांच की जा रही है, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की सही वजह का खुलासा हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

महाशिवरात्रि पर्व पर आज गुलजारी वाले शिव मंदिर भाकू वाले मंदिर में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता / शामली महाशिवरात्रि पर्व पर बाबा भोलेनाथ जल अभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं उमडी भीड़ शामली के प्राचीनसिद्ध पीठभाकू वाले शिव मंदिर गुलजारी वाला शिव शिवालय सदा शिव मंदिर शिव चौक मंदिर और सब आईएसआई मंदिर में सरदार लोगों की भारी भीड़ ने दर्शन किए गुलजरी वाले से मंदिर में आज बाबा भोलेनाथ के दर्शन करने के लिए करीब दो किलोमीटर लंबी लाइन थी जिसमें श्रद्धालु अपने नंबर के प्रतिशा कर रहा था की मेरा नंबर आने के बाद मैं बाबा का जल अभिषेक कर सकु गुलजरी वाले शिव मंदिर में दर्शन करने के लिए भक्तजन दुर-दुर से आते हैं भक्तजनों का यह कहना है की बाबा के दर्शन करने बाबा का अभिषेक करने से सरे कष्ट दुर हो जाते हैं सभी मनोकामना पूर्ण होती है आज बाबा का शम 6ः00 बजे गुलजरी वाले शिव मंदिर में बाबा भोलेनाथ का भव्य श्रृंगार महा आरती का आयोजन भी किया गया

भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने चकबन्दी लेखपाल को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली की टीम को मिली कामयाबी मिली है। टीम ने चकबन्दी लेखपाल को आठ हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। पकड़े गए अभियुक्त हरीश कुमार पुत्र ओमकार सिंह निवासी शिवपुरम तहसील सदर थाना कोतवाली सिविल लाइन जनपद बदायूं सम्प्रति चकबन्दी लेखपाल हैं। शासन की मंशा के अनुरूप भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टोलरेंस की नीति को अपनाते हुये अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस उपमहानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निवारण संगठन, उत्तर प्रदेश लखनऊ के द्वारा दिये गये आदेश के अनुपालन में मुझ पुलिस उपाधीक्षक भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली मण्डल बरेली के निर्देश पर ट्रैप टीम प्रभारी निरीक्षक श्री बब्बन खां भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली ने टीम के अन्य सदस्यगण के साथ अभियुक्त हरीश कुमार पुत्र स्व ओमकार सिंह निवासी शिवपुरम तहसील सदर थाना कोतवाली सिविल लाइन जनपद बदायूं सम्प्रति चकबन्दी लेखपाल गजनेरा पर कार्रवाई की जा रही है। चकबन्दी कार्यालय - III जनपद बरेली से रंगे हाथ पकड़े गये । शिकायतकर्ता बाबू राम नि0 ग्राम गजनेरा थाना भुता तहसील फरीदपुर जनपद बरेली के चक संख्या 773 की नाप करने एंव चक संख्या 411 का सन्दर्भ बनाने के एवज में चकबन्दी लेखपाल हरीश कुमार द्वारा उत्कोच के रूप में रुपये 8,000/- उत्कोच की मांग करना उक्त उत्कोच को चकबन्दी लेखपाल श्हरीश कुमार द्वारावउत्कोच (रिश्वत) की धनराशि 8,000/- रुपये लेते हुये रंगे हाथ पकड़ा जाना । अभियुक्त हरीश कुमार सम्प्रति चकबन्दी लेखपाल जनपद बरेली के विरुद्ध थाना सुभाष नगर जनपद बरेली पर विधिक कार्यवाही की जा रही है।वबरेली मण्डल बरेली का कोई भी पीड़ित व्यक्ति पुलिस उपाधीक्षक भ्रष्टाचार निवारण संगठन, बरेली के मो0नं0 9454405475 एवं प्रभारी निरीक्षक भ्रष्टाचार निवारण संगठन, बरेली इकाई /थाना के मो0नं0 9454401653 पर सम्पर्क कर सकते हैं ।

सुबह की झमाझम बारिश सेक्कसड़कों पर जलभराव से परेशान हुए लोग

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बीते एक सप्ताह से उमस और गर्मी से बेहाल लोगों के लिए बुधवार की सुबह राहत लेकर आई। सुबह करीब 10 बजे से बारिश शुरू हो गई। करीब डेढ़ घंटे तक झमाझम बारिश हुई। इससे जहां लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली, वहीं शहर के कई इलाकों में जलभराव की समस्या से दिक्कत हुई है। नाले उफनाने से सड़कों पर जलभराव हो गया। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन तक बारिश की संभावना जताई है। बारिश के बाद पुराना शहर, सतीपुर, सुभाषनगर, सूफीटोला, हजियापुर, जगतपुर, एजाजनगर गौंटिया, मॉडल टाउन, बाकरगंज, किला और कटघर में जलभराव से लोग जूझते नजर आए। सावन की शिवरात्रि पर बारिश के बीच कांवड़िये भीगते हुए शिवालयों तक पहुंचे। जलभराव के कारण उन्हें भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बीते पांच दिनों से सुबह बारिश और दिनभर धूप निकलने का सिलसिला मंगलवार को थमा। सुबह बादल छाए लेकिन उच्च वायुदाब का क्षेत्र बनने से बारिश का अनुकूल माहौल नहीं बना। दिनभर लोग उमस और गर्मी से बेहाल रहे। दोपहर में अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 34.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं, शाम को भी आसमान साफ रहा। न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हरदोई ब्रांच नहर के निर्माणाधीन पुल का कार्य 95 प्रतिशत पूरा 15 अगस्त तक चालू होने की उम्मीद

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार/ पीलीभीत / पीलीभीतवासियों को जल्द ही जाम की समस्या से राहत मिलने वाली है। असम हाईवे पर बन रहा नया पुल 95त्न पूरा हो चुका है और उम्मीद है कि 15 अगस्त तक यह जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इससे शहर में ट्रैफिक जाम की बड़ी समस्या का समाधान हो जाएगा।उम्मीद है की 15 अगस्त से पीलीभीत-लखनऊ हाईवे पर हरदोई ब्रांच नहर पर बने पुराने पुल पर लगने वाले जाम से पीलीभीत वासियों को हमेशा के लिए आजादी मिल जाएगी। जिम्मेदारों का दावा है कि 15 अगस्त तक निर्माणाधीन पुल से जुड़े सारे काम पूरे कर आवागमन शुरू करा दिया जाएगा। असम हाईवे पर पीलीभीत-पूरनपुर के बीच हरदोई ब्रांच नहर पर संकरे और जर्जर हो चुके पुल पर लगने वाले जाम से निजात पाने के लिए यहां 27.41 करोड़ रुपए की लागत से पुल का निर्माण किया जा रहा है। हालांकि पुल निर्माण शुरू हुए डेढ़ साल से अधिक समय बीत चुका है। लेकिन तमाम अड़चनों के बाद यहां 74.8 मीटर लंबा स्टील ब्रिज तो स्थापित कर दिया गया, मगर इसके बाद निर्माणाधीन पुल की एप्रोच रोड को लेकर मामला अटक गया था।दरअसल, एप्रोच रोड की राह में पूरनपुर तहसील के गांव उदयकरनपुर के कुछ किसानों की जमीन आ रही थी। यहां जाम की समस्या को संज्ञान में लेते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद जितिन प्रसाद जिला प्रशासन को जमीन मुहैया कराने के निर्देश दिए थे। इसको लेकर जिला प्रशासन की ओर से 3 सदस्यीय कमेटी गठित कर किसानों के साथ बैठक की गई। बैठक में किसानों की सहमति और मुआवजे की धनराशि तय होने के बाद भूमि अधिग्रहण संबंधी कार्रवाई पूरी की गई। इस पूरी प्रक्रिया में भी करीब दो से तीन महीने लग गए। किसानों को मुआवजा देने व जमीन हैंडओवर होने के बाद निर्माणाधीन पुल के दोनों ओर एप्रोच रोड का काम भी लगभग अपने अंतिम चरण में है। कार्यदायी संस्था का दावा है कि पुल निर्माण को अंतिम रूप देने से संबंधित कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। उम्मीद है इसी माह में पुल से जुड़े सभी कार्य पूरे कर लिए जाएंगें। यदि सब कुछ ठीक रहा तो 15 अगस्त को नए पुल से आवागमन भी शुरू हो जाएगा। एनएचएआई के एक्सईएन शशांक भार्गव ने बताया कि हरदोई ब्रांच नहर पर पुल से संबंधित लगभग सभी कार्य पूरे किए जा चुके है। पुल निर्माण अपने अंतिम चरण में है। उम्मीद है जल्द ही लोगों को इस नए पुल से आवागमन की सुविधा मिलेगी।

घर के आंगन में दिखा बाघिन का पगमार्क, ड्रोन भी नहीं लगा पाया सुराग

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार/ पीलीभीत / पीलीभीत जिले में बाघिन की दहशत थमने का नाम नहीं ले रही है। बुधवार सुबह बाघिन एक गांव में स्थित घर के आंगन तक जा पहुंची। घरवाले जब सुबह उठे तब उन्होंने आंगन में टाइगर के पग मार्क देखे। यह इलाका पिछले घटनास्थल से महज 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ऐसे में ग्रामीणों के बीच खासी दहशत देखने को मिल रही है। ग्रामीणों ने विभाग पर भी महज खानापूर्ति का आरोप लगाया है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई है। वहीं वन विभाग ने सर्च अभियान तो शुरू किया, लेकिन टीम को सफलता नहीं मिली है। ऐसे में विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। 17 जुलाई से महिला को मौत के घाट उतारने वाली बाघिन के रेस्क्यू को लेकर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। लेकिन 17 जुलाई के बाद से ही बाघिन को किसी ने नहीं देखा। हालांकि आसपास के इलाकों में लगातार उसके पगमार्क देखे जा रहे हैं। बुधवार सुबह बाघिन ने न्यूरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली टांडा कॉलोनी में दस्तक दी थी। कॉलोनी में ही रहने वाले शंकर मंडल जब बुधवार सुबह उठे तो उनके होश उड़ गए। उनके घर के आंगन में टाइगर के पंजों के निशान थे। जब उन्होंने पंजों का पीछा किया तो वह घर के पीछे स्थित गन्ने के खेत में गए थे। आनन फ़ानन में ग्रामीणों ने पूरे मामले की सूचना वन विभाग को दी। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने आस पास के इलाक़े में बाघिन की तलाश को लेकर ड्रोन भी उड़ाया मगर बाघिन की मौजूदगी की कोई भी पुष्टि नहीं हुई। इधर इलाक़े में अधिकांश घर खुले होने के चलते ग्रामीणों में ख़ासी दहशत देखने को मिल रही है। ग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप भी लगाया। ग्रामीणों के मुताबिक सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने महज़ कुछ देर खानापूर्ति की जिसके बाद सभी वहां से चले गए। शंकर मंडल का घर दोनों ही ओर से खुला है। ग्रामीणों को आशंका है कि टाइगर आस पास के ही किसी खेत में छिपा बैठा है। वन विभाग की ओर से घर में सुरक्षा के लिहाज़ से किसी भी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। पीलीभीत वन एवं वन्यजीव प्रभाग के प्रभागीय निदेशक भरत कुमार डीके ने बताया कि सर्च ऑपरेशन लगातार जारी है। लगातार मिल रही सूचनाओं के आधार पर आगामी रणनीति बनाई जा रही है। लोगों से अपील है कि खेतों में काम करने के दौरान सावधानी बरतें वहीं शाम ढलने के बाद अनावश्यक रूप से घरों के बाहर रहने से बचे।

डीएम ने परिवहन विभाग की जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक की

18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को स्कूटी/बाईक न चलाने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली, जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में परिवहन विभाग की जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि स्कूल के आस-पास स्पीड ब्रेकर बनवाए जाएं तथा स्कूलो से भी संवाद स्थापित कर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के साथ ही सुरक्षित परिवहन को लेकर जागरूक करने हेतु निर्देशित किया जाये। निर्देश दिए गए कि स्कूली आदि का सत्यापन अवश्य कराया जाए। बैठक में अवगत कराया गया वाहनों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 70 वाहन अनफिट पाए गए के पंजीयन की निलंबन की कार्यवाही की गयी, जिस पर जिलाधिकारी नहीं है, अगर ऐसा हो तो कठोर कार्यवाही की जाए। बैठक में जिलाधिकारी परिवहन विभाग से एवं चरित्र सत्यापन का कार्य पुलिस विभाग से किया जाये। बैठक में जिलाधिकारी ने सहायक सम्भागीय परिवहन बिना मानकों के कोई भी स्कूली वाहन मार्ग पर संचालित न हो। उक्त प्रदेश के द्वारा दिनांक 01 से 15 जुलाई 2025 तक स्कूली वाहनों के जिसके क्रम में जनपद में परिवहन विभाग द्वारा 20 वाहनों का चालान किया गया है तथा 70 वाहनों के वाहन स्वामियों को नोटिस भेजकर जिलाधिकारी ने कहा कि निर्धारित क्षमता से अधिक छात्र/छात्राओं का परिवहन स्कूली वाहन में कदापि न लाया जाये, ऐसा पाये जाने पर उनके विरूद्ध सख्त प्रवर्तन कार्यवाही कि जाये। उक्त क्रम में अवगत कराया गया कि परिवहन विभाग द्वारा स्कूली वाहन में क्षमता से अधिक सवारी बैठे 08 वाहनों के चालान ओवरलोड के रूप में करके 02 वाहनों को थाने में बंद किया गया है। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया कि स्कूल गेट के दोनों ओर सड़क पर रम्बल स्ट्रिप बनाया जाये, जिससे कि विद्यालय से निकलने वाले छात्र/छात्राओं को तेज गति से आ रहे वाहनों के कारण होने वाली दुर्घटना से बचाया जा सकें व अभिभावकों से अपील की कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चो को स्कूल आने-जाने के लिये किसी भी दशा में स्कूटी/बाईक न प्रदान करें। यदि ऐसा होता है तो मोटर वाहन अधिनियम में ऐसा करने पर अभिभावक को जिम्मेदार मानते हुये दण्डनीय अपराध मानते हुये कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। बैठक में जिले के सभी विद्यालयों में रोड सेफ्टी के तहत नोडल विभागों द्वारा प्रचार-प्रसार करने के सम्बन्ध में भी समीक्षा की, जिस पर जिला विद्यालय निरीक्षक एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद के 439 विद्यालयों में परिवहन सुरक्षा समिति का गठन करके नामित नोडल टीचर द्वारा सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में जानकारी दी जा रही है और पोस्टर, क्विज एवं चित्रकला प्रतियोगिता कराकर सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी भी उपलब्ध करायी जा रही है। बैठक में जनपद के समस्त विद्यालयों में चालकों ब परिचालकों का नेत्र/स्वास्थय परीक्षण के सम्बन्ध में भी समीक्षा की, जिस पर परिवहन विभाग, पुलिस विभाग, परिवहन निगम एवं स्वास्थय विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अर्न्तगत स्कूली ड्राइवरों, निजी ड्राइवरों, परिवहन निगम के ड्राइवरों का रोडवेज बस स्टैण्ड एवं विद्यालयों में निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थय परीक्षण कराया गया है। बैठक में समस्त विद्यालयों में रोड सेफ्टी गठन के सम्बन्ध में समीक्षा की, जिस पर जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद के 439 विद्यालयों में रोड सेफ्टी का गठन करके सभी विद्यालयों में सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में जानकारी दी जा रही है। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त विद्यालयों में विद्यालय प्रबन्ध कमेटी एवं प्रधानाचार्य स्कूल में संचालित समस्त वाहन चालकों को निर्देशित करें कि किसी भी वाहन को विद्यालय से घर तक एवं घर से विद्यालय में लाने अथवा ले जाने में एक घण्टे से अधिक का समय न लगे, के सम्बन्ध में समीक्षा करी, जिस पर जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं परिवहन विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद के सभी विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि किसी भी वाहन को विद्यालय से घर तक एवं घर से विद्यालय तक छात्र छात्राओं को लाने एवं ले जाने में एक घण्टे से अधिक का समय न लगे और उसका अनुपालन भी किया जा रहा है। बैठक में अपर जिलाधिकारी नगर, सिटी मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक यातायात अकमल खान सहित समस्त संबंधित उपस्थित रहे ।

पुलिस महानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र गोण्डा द्वारा पुलिस लाइन भिनगा जनपद श्रावस्ती का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी / श्रावस्ती - पुलिस महानिरीक्षक श्री अमित पाठक द्वारा पुलिस लाइन भिनगा जनपद श्रावस्ती में पुलिस आरक्षी भर्ती 2023 के रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण हेतु ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में रिक्रूटों के लिए निर्धारित बैरक, भोजनालय, स्नानागार, पानी की व्यवस्था आदि का निरीक्षण किया गया।

प्रशिक्षण से सम्बंधित अभिलेखों का अवलोकन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा व तत्परता से करें, ताकि रिक्रूट आरक्षियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। इस दौरान पुलिस लाइन के लवकुश सभागार मे प्रशिक्षु आरक्षियो के साथ गोष्ठी कर उनका उत्साह वर्धन किया उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी कर उनके निराकरण करने हेतु संबंधित अधिकारियो को निर्देशित भी किया। आरटीसी ट्रेनिंग के लिए रिक्रूटों को प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन बनाए रखने व बेसिक जानकारी का पालन करने हेतु ब्रीफ किया गया। इस दौरान मा0 विधायक श्रावस्ती श्री रामफेरन पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक श्री घनश्याम चौरसिया,अपर पुलिस अधीक्षक श्री मुकेश चंद्र उत्तम, क्षेत्राधिकारी भिनगा/इकौना सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मारकण्डेश्वर तिराहा पर पुलिस की वाहन चेकिंग, चेकिंग टीम ने 35 वाहनों के चालान किये

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार / कोंच(जालौन) वाहन चालक नियमों का पालन करें नीतीश कुमार वाहन चलाते समय नशे आदि न करें राजकुमार चौधरी वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात न करे भीष्म पाल सिंह दो पहिया वाहन चालक हेलमेट जरूर लगाकर चले अनुराग राजन कोंच(जालौन) पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार के निर्देश पर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार पांडेय के निर्देशन में मंडी चौकी प्रभारी नीतीश कुमार की अगुवाई में नगर के मारकंडेश्वर तिराहा पर बड़ा वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया

इस वाहन चेकिंग अभियान में टीम द्वारा 35 वाहनों के 23500 रुपए के चालान किये गये इस वाहन चेकिंग करते हुए मंडी चौकी प्रभारी नीतीश कुमार ने कहा कि वाहन चालक अथवा वाहन मालिक अपने अपने वाहनों के सारे कागजात लेकर ही वाहन चलाए और यातायात नियमों का पूर्ण रूप से पालन करे उन्होंने कहा कि वाहन नशे में न चलाए सागर चौकी के प्रभारी राजकुमार चौधरी ने कहा कि दो पहिया चालक हेलमेट लगाकर ही वाहन चलावे और चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट का प्रयोग जरूर करे दरोगा भीष्म पाल सिंह यादव ने कहा कि वाहन को ड्राइव करते समय लोग मोबाइल फोन की लीड लगाकर वाहन मत चलावे क्योंकि दुर्घटना हो सकती है दरोगा अनुराग राजन ने कहा कि चेकिंग के वाहन चालक हेलमेट जरूर लगाए साथ ही बाइक पर दो सवारी ही बैठकर चले और ड्राइवर लाइसेंस लेकर ही अपनी गाड़ी चलाए इस अवसर पर सिपाही अभिषेक पाल सिपाही ह्रदेश कुमार सिपाही सहित तमाम पुलिस जवान मौजूद रहे

थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा चोरी के अभियोग से संबंधित 02 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया, कब्जे से चोरी की 01 मोटरसाइकिल बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार / थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-252/25 धारा-303(2) बीएनएस से संबंधित 02 बाल अपचारी को दिनांक-23.07.2025 को राजापुर करमा नहर मोटरसाइकिल के साथ पुलिस अभिरक्षा में थाना क्षेत्र घूरपुर से चोरी की 01 कार्यवाही की गयी । घटना का संक्षिप्त लिया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक 22.07.2025 को वादी श्री कप्तान सिंह पटेल विवरण- अवगत कराना है कि दिनांक- थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज द्वारा थाना स्थानीय पुत्र स्व0 भोलानाथ पटेल निवासी ग्राम चिल्ली मोटरसाइकिल को अज्ञात चोरो द्वारा घूरपुर पर तहरीरी सूचना दिया कि उनकी सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-252/ बाजार से चोरी कर लिया गया । जिसके गया था । घटना के अनावरण के क्रम में गठित 25 धारा-303(2) बीएनएस पंजीकृत किया 23.07.2025 को 02 बाल अपचारी पुलिस टीम के प्रयास के क्रम में दिनांक- की 01 मोटरसाइकिल रजि0नं0-क्र 70 स्वश्व अभिरक्षा में लिये गये तथा कब्जे से चोरी में बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में 7916 बरामद की गयी । विवेचना के क्रम गयी है । पूछताछ का विवरण- पूछताछ पर धारा-317 (2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की चोरी छिपे मोटरसाइकिल व अन्य सामान चोरी बाल अपचारियो ने बताया कि हम लोग करके चोरी का समान सस्ते दामों मे बेचकर उससे अपने शौक को पूरा करते है और अपना खर्चा चलाते है

अभूषण कारोबारी का झोला लेकर बदमाश फरार मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार / मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम उधमपुर खगिया निवासी सुनील कुमार सोनी ग्राम सिंसई सिपाह चौराहे पर अभूषण की दुकान खोले हुए हैं। मंगलवार को शाम के समय वह दुकान बंद कर अपनी बाइक में जेवरातों से भरा झोला और चौबीस हजार रूपए नकदी रख कर बाइक की हैंडिल में टांग कर घर की ओर चला। जैसे वह थोड़ी दूर चला था कि पीछे से एक बाइक पर तीन सवारों ने झपटटा मार कर झोले में रखा सारा अभूषण जिसकी कीमत चार लाख रुपए अंकी गई है तथा चौबीस हजार रूपए नकदी लूट कर तेजी से भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भुक्तभोगी को लेकर बुधवार को दिनभर बदमाशों की तलाश में जुटी हुई थी। परन्तु कुछ हासिल नहीं हुआ। पीड़ित ने मऊआइमा थाने में अज्ञात लोगों के लिए मुकदमा दर्ज करा दिया है।

नदीगांव थाने के दरोगा विशाल शर्मा ने चाकू के साथ गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार / कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना नदीगांव में तैनात दरोगा विशाल शर्मा अपने हमराही सिपाहियों के साथ गस्त कर रहे थे तभी ग्राम बसीट से देवेंद्र कुशवाहा पुत्र मुन्ना लाल निवासी ग्राम कन्हरी को पकड़ लिया और तलाशी के समय एक चाकू लोहे का बरामद किया है पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा धारा 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज कर लिया है

धोखे से रुपए ट्रांसफर करने को लेकर मुकदमा

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार / कोंच(जालौन) कोतवाली में तहरीर देते हुये हिमांशु पालीवाल पुत्र पुरुषोत्तम पालीवाल निवासी मोहल्ला जवाहर नगर कोंच ने बताया है कि घटना दिनांक बीते महीने की है तभी मोहल्ला जवाहर नगर से एक अज्ञात ने यूपीआई आई डी के जरिये 31230 रुपये धोखे से ट्रांसफर हो गया है पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा धारा 318(2) बीएनएस और 66 डी आई टी एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर लिया है

लोक सेवा गारंटी में लापरवाही पर कलेक्टर का बड़ा एक्शन, 16 अफसर-कर्मचारी दंडित साथ ही 33 हज़ार की शास्ति अधिरोपित

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा कटारे / शिवपुरी। मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 के तहत नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं दिलाने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर ने कुल 16 प्रकरणों में ?33,000 की शास्ति विभिन्न स्तरों पर अधिरोपित की है। यह कार्रवाई अधिनियम की धारा 7(1)(ख) के तहत की गई है। कलेक्टर चौधरी ने स्पष्ट कहा कि 卐जनसेवा में देरी करने वालों पर भविष्य में भी इसी प्रकार सख्ती जारी रहेगी, ताकि आमजन को उनकी पात्र सेवाएं समय पर प्राप्त हो सके इन पर हुई प्रमुख कार्रवाई= ? शिवपुरी तहसील - नायब तहसीलदार कु. प्रतिभा पांडे= सीमांकन में 15 दिन की देरी, 3,750 शास्ति। खनियाधाना, मुहारीकलां - नायब तहसीलदार रामनरेश आर्य= 9 प्रमाण पत्रों में देरी, ?3,000 शास्ति। अछरौनी बीट - पटवारी गौरव पटेरिया= 1 प्रकरण में 6 दिन की देरी, ?1,500 शास्ति। पिछोर, जुगीपुरा - पटवारी शैलेन्द्र सिंह चंदेल= सीमांकन में 30 दिन की देरी, अधिकतम 5,000 शास्ति। ? सतनवाड़ा - 6 पटवारी (कमलेश साहू, विक्रम रावत, माला दुबे, मोहिनी बागवार, मीनू अग्रवाल, बृजेश भारद्वाज सामूहिक 2,250 शास्ति। ? रन्नौद नगर परिषद - CMO मयूर वाहरे= मृत्यु प्रमाण पत्र पर देरी, 250 शास्ति। कोलारस - प्रभारी तहसीलदार सचिन भार्गव= सीमांकन में 10 दिन की देरी, 2,500 शास्ति। बदरवास - प्रभारी तहसीलदार प्रदीप भार्गव= 9 दिन की देरी, 2,250 शास्ति। पिछोर नगर परिषद - CMO आनंद शर्मा= वृद्धावस्था पेंशन में देरी, 2,000 शास्ति। ? कोलारस - सहायक संचालक एवं BEO राहुल भार्गव= 37 आवेदनों में देरी, 9,250 शास्ति। बदरवास - प्रभारी BEO पी.आर. भगत= ?1,250 शास्ति। लोक सेवा गारंटी अधिनियम का उद्देश्य= राज्य शासन द्वारा लागू अधिनियम के तहत नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं निश्चित समय-सीमा में उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाता है। इसमें लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों पर आर्थिक दंड का प्रावधान है।

वन माफियाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस, जेसीबी के साथ चला बुलडोज़र अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा कटारे / सिंधिया के निर्देश पर शिवपुरी में वन विभाग की सबसे बड़ी कार्रवाई= 110 बीघा वन भूमि अतिक्रमण से मुक्त साथ ही वन माफियाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस, जेसीबी के साथ चला बुलडोज़र अभियान शिवपुरी जिले में वन माफियाओं के खिलाफ कड़ा संदेश देते हुए केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री और सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के स्पष्ट निर्देशों पर वन विभाग ने वन परिक्षेत्र बदरवास की रांछी बीट में लगभग 110 बीघा अतिक्रमित वन भूमि को मुक्त करा लिया है। यह कार्रवाई न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ी उपलब्धि है, बल्कि अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध सरकार की %जीरो टॉलरेंस% नीति का भी मजबूत संकेत है। सिंधिया की सख्ती से प्रशासन हरकत में हाल ही में आयोजित दिशा समिति की बैठक में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने वनभूमियों पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर कड़ी नाराज़गी जताई थी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि अवैध कब्जों को तत्काल हटाया जाए और वन भूमि को पुन: बहाल किया जाए। उनके निर्देश पर लगातार कार्रवाई करते हुए पूर्व में कोलारस में 65 बीघा और 275 बीघा वन भूमि पहले ही अतिक्रमण से मुक्त कराई जा चुकी है। कार्रवाई का संचालन और मुख्य आरोपी आज की कार्रवाई वनमंडलाधिकारी सुधांशु यादव के नेतृत्व में, उपवनमंडलाधिकारी करैरा, वन परिक्षेत्राधिकारी बदरवास एवं कोलारस, राजस्व व पुलिस विभाग के समन्वय से संपन्न हुई। ग्राम कांठी-रांछी मार्ग से सटी उक्त भूमि पर मुरारी धाकड़, पर्वत सिंह धाकड़ व हरिचरण धाकड़ द्वारा वर्षों से अवैध खेती की जा रही थी। इनके विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम की धारा 80(अ) के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिसम्मत बेदखली की गई। पाँच जेसीबी से चला बुलडोजर, जब्त हुई सामग्री कार्रवाई के दौरान पाँच जेसीबी मशीनों की मदद से अतिक्रमण हटाकर भूमि को समतल किया गया। जब्त सामग्री में लोहे की एंगल, बाड़ की तार आदि शामिल हैं। इसके साथ ही अतिक्रमणरोधी गड्ढे (ट्रेंच) बनाए गए जिनमें वन प्रजातियों के बीज बोए गए हैं। ग्रामीणों को चेतावनी और अपील कार्रवाई के दौरान वन विभाग द्वारा ग्रामीणों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि वे वन भूमि से दूर रहें और वन्यजीव संरक्षण में सहभागी बनें। स्वेच्छा से कब्जा न हटाने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। सिंधिया के सशक्त नेतृत्व में शिवपुरी जिले में वन भूमि को बचाने के लिए प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह सक्रिय हो चुकी है। यह कार्रवाई न केवल वन भूमि संरक्षण का एक बड़ा उदाहरण है, बल्कि सार्वजनिक संसाधनों की रक्षा और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने की दिशा में भी एक निर्णायक कदम है।

सांप के डंसने से किशोर की हालत गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती, मल्हीपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत हरिहरपुर करनपुर के मजरा हरिहरपुर गांव में एक बालक को विषैले सांप ने डस लिया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। पीड़ित की पहचान सचिन (16) पुत्र ज्ञानीराम के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सचिन दोपहर में गांव के दक्षिण स्थित अपने खेत को देखने गया था, तभी अचानक एक विषैले सर्प ने उसे डस लिया। घटना के बाद बालक की तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिजनों ने बिना देर किए उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार सांप जहरीला प्रतीत होता है, समय रहते इलाज मिलने से स्थिति अभी नियंत्रण में है। परिजनों ने बताया कि सचिन खेत पर अकेले गया था, घटना की जानकारी मिलते ही परिजन दौड़ पड़े और किसी तरह उसे अस्पताल पहुंचाया।

संक्षिप्त समाचार

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं।

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी / पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जनता दर्शन में आयी फरियादियों की समस्याएं/ शिकायतों को सुना गया।

जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया ।

03 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी / आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु

प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

नहर में डूब कर बुजुर्ग की मौत सब्जी बेचकर चलता था घर

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती । एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। गांव-गांव सब्जी बेचकर परिवार चलाने वाले एक बुजुर्ग की नहर किनारे डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस

मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। घटना भिनगा कोतवाली क्षेत्र के लक्ष्मणपुर गढ़ी चौराहे की है,जहां रहने वाले 65 वर्षीय शोभाराम साइकिल से सब्जी बेचने का काम करते थे। बताया जा रहा है कि वो सुबह साइकिल पर सब्जी लेकर अग्गापुर रमगढ़िहा के बीच किसी गांव की ओर जा रहे थे, तभी सरयू नहर के किनारे एक गड्ढे में साइकिल समेत गिर पड़े। साइकिल बुजुर्ग के ऊपर जा गिरी, जिससे वह उठ नहीं सके और डूबकर उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की।वहीं पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मृतक की पहचान शोभाराम के रूप में हुई है, मौत की वजह आकस्मिक दुर्घटना प्रतीत हो रही है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध हालात में विवाहिता ने लगाई फांसी

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविन्द कुमार यादव/ श्रावस्ती ।सोनवा थाना क्षेत्र के दिकौली गांव में एक विवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना आज सुबह उस वक्त हुई जब महिला का पति मजदूरी के लिए बहराइच गया हुआ था। जानकारी के मुताबिक, विवाहिता का पति और ससुर दोनों बहराइच में मजदूरी करते हैं।सुबह पति जैसे ही घर से निकला, कुछ ही देर बाद महिला ने खुद को फांसी लगा ली। उस समय सास रसोई में खाना बना रही थी। सब्जी लाने के लिए जब वह कमरे में पहुंची, तो विवाहिता को फांसी के फंदे से लटकता देख होश उड़ गए। घटना की सूचना पर गांव में हड़कंप मच गया।

Even if the child is stubborn, do not listen to these 3 things; people will give you an example after seeing your upbringing

Elders have always said that it is not necessary for parents to bow down to the stubbornness of children every time. That is, there are some occasions on which parents should clearly refuse to their stubbornness, otherwise they may have to face many problems in their upbringing. Let's know. Sometimes children become very stubborn. It is not wise to fulfill their every wish. There are some things on which parents should never compromise. Sometimes children become stubborn for toys, and sometimes they become stubborn for food items. In such a situation, parents often get into a dilemma whether to listen to the child or not. But there are some things on which fulfilling the child's stubbornness can be harmful for them in the future. Yes, here we are telling you about such 3 things on which you should not agree to your child's stubbornness at all, no matter how much they try. Insistence on excessive screen time- Nowadays children want to spend hours on mobile, tablet or TV. This is not good for their eyes and mental health at all. If your child insists on more screen time, explain to him lovingly why it is not good for him. Do not give in to his stubbornness. Instead, encourage him to play outside, read books or do some creative work. It will be difficult in the beginning, but gradually he will understand. Insistence on unhealthy food- Often children insist on eating things like burgers, pizza, chips and chocolates. These things may taste good, but are not good for health in terms of nutrition. If your child insists on these things, motivate him to eat nutritious and home-made food. You can serve him healthy things in an attractive way or take the help of games to make food fun. Stubbornness to break discipline- Sometimes children insist on breaking the rules or discipline of the house, such as staying up late, not doing homework or going out without informing. In such a situation, it is very important to explain to them the importance of discipline. Do not agree to their stubbornness at all. Set the rules of the house and tell them why it is important to follow them. Discipline makes children responsible and successful people.

Not just red and green, there are 5 different coloured marks on packaged food; do you know their meaning?

Have you ever seen any other coloured marks on packaged food other than green and red? Most of us think that there is only vegetarian or non-vegetarian sign on the packet but this is not the whole truth! Actually, there can be 5 different coloured marks on packaged food and each colour has its own special meaning. There are 5 different coloured marks on packaged food. Most people do not know the meaning of other signs apart from red or green. Knowing these marks helps you in choosing the right product. People in India have very different choices regarding food. Some are pure vegetarian, some are non-vegetarian. Some people do not eat meat but eat eggs, while now many people have become completely vegan - that is, no milk, no ghee, no eggs, just a completely plant-based diet. Therefore, it has become necessary that we have complete information about whatever we eat. In such a situation, if you look carefully, there is a small colored mark on the packet of every food item - sometimes green, sometimes red, sometimes yellow, blue or black. Let us tell you, these are not just a part of the design, but give important information related to your health. Let us know what these colors mean and why you should be especially cautious of the black mark. Green and red marks Green mark: This indicates that the product is completely vegetarian. That is, there is no meat, egg or other animal products in it. Red mark: This indicates that this product is non-vegetarian. If you are a vegetarian, then pay special attention to this. Till now most people recognize only these two colors, but the information does not end here. Now know the meaning of other colors Blue mark - This indicates that this product is related to medicine. This means that it can be used for a medical condition, and do not use it without the advice of a doctor. Yellow mark- This is an indication that the product contains eggs. Many people do not eat eggs, this information is very important for such people. Black mark- If there is a black mark on a food packet, it is an indication that a large amount of chemicals are present in that product. These are added to enhance the taste, give color or to prevent spoilage for a long time, but in large quantities they can harm health. Experts believe that excessive consumption of products with black marks can affect the digestive system, liver and kidneys. Including them in the diet for a long time can also increase the risk of diseases manifold. What to do? Every time you buy a food item, definitely look at the colored marks on its packet. Black marks are more commonly seen on children's snacks, namkeen, sweet and packaged food - avoid giving them regularly. If a product has a black mark, it is better not to buy it or use it in very small quantities. The small coloured markings on food packets are for the safety of your health - they help you make the right choice according to your taste and needs. Now that you know their meaning, the next time you go to the market, don't just buy by looking at the taste or brand, but also understand the language of its colours.

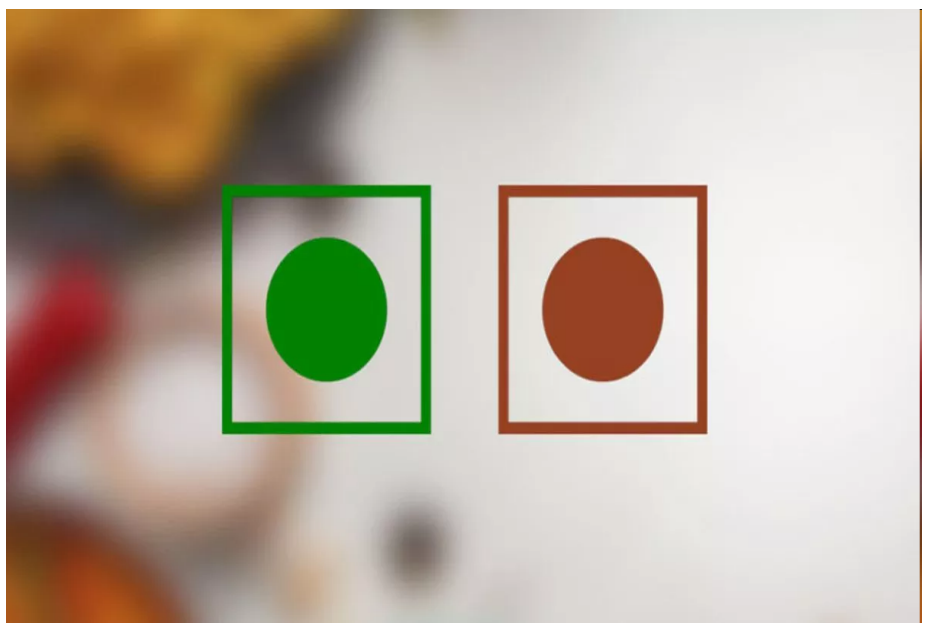

Same lifestyle, same problems! Obesity is surrounding both husband and wife; what does ICMR's study say?

An ICMR study has revealed that every fourth married couple in India is struggling with obesity, the main reason for which is their similar lifestyle. This problem has been found more in urban and affluent families. The study emphasizes the need for couple-based health intervention. Weight gain after marriage is not a normal change. When there is obesity, more fat gets accumulated in the body. These days this problem is increasing more among couples. In today's busy life, people's lifestyle is changing rapidly. Especially among married couples, eating habits, lifestyle and activity patterns are becoming similar. A surprising revelation has been made in an ICMR study on this. The research states that every fourth married couple in the country is struggling with obesity. That is, both husband and wife are coming under the category of overweight or obesity. According to this study, the major reason for the simultaneous weight gain in couples is their similar lifestyle. Like eating out together, eating snacks while watching TV, walking less and snacking late at night have become a part of their routine. These things are being seen more in metro cities. Let us give you detailed information about this study - Obesity is increasing rapidly in India According to a new study by the Indian Council of Medical Research (ICMR), obesity is increasing rapidly among married couples in India. One in every four married couples (27.4%) in the country is such in which both the husband and wife are overweight or obese. This research is based on the data of 52,737 married couples during 2019-21 of the National Family Health Survey-5. ICMR's National Institute of Cancer Prevention and Research has studied this. This study has been published in a journal named 'Current Developments in Nutrition'. Why is obesity increasing in couples? A new word has been used in this study. Which is called "spousal concordance". It simply means that when husband and wife adopt each other's lifestyle and habits and become obese together. These habits include - Eating junk food together Eating late at night Having little physical activity Snacking while watching TV Ordering outside food on weekends Let us tell you that all these habits directly affect the weight of couples. The ICMR team says that after marriage, partners adopt each other's habits, be it food or routine. This is the reason why their weight also starts increasing together. What kind of couples are most affected? The highest obesity rate was seen in couples living in urban areas - about 38.4% Couples from wealthy families - about 47.6% couples were found to be overweight or obese Living in nuclear families - 28.9% Couples of the same age - 28.8% and 31.4% Couples without jobs - 33.9% Couples who watch TV or read newspapers - 32.8% Obesity was also seen in couples who ate non-vegetarian food every week, such as eggs (30.7%) and chicken (29.9%). In which states are couples more obese? 37.2% couples in South India and 33.5% couples in North India were found to be obese. More than 42% couples were found to be overweight in states like Kerala, Jammu and Kashmir, Manipur, Delhi, Goa, Tamil Nadu and Punjab. Why is couple-based health intervention important? The ICMR team believes that focusing only on individuals will not work. To deal with obesity, both husband and wife will have to be taken along. Especially those couples who are urban, educated and financially strong. It has also been said in this report that public health policy should now adopt a couple-based approach. So that the entire family can be led towards a healthy lifestyle.

Alia Bhatt will play Mata Sita in Ramayana based on Ravana, will South superstar play the role of Lord Rama?

After Ranbir Kapoor, his wife and actress Alia Bhatt has entered the movie based on Ramayana. She will be seen playing the role of Mata Sita. She is the first choice of the makers. While the name of who will play the role of Lord Ram, Ravana and Hanuman has also become clear. The film based on Ramayana will be based on Ravana Actress Alia Bhatt will play the role of Mata Sita 73-year-old South actor will become Ravana in the movie When the casting of Nitesh Tiwari's Ramayana was being done, there was talk everywhere that Alia Bhatt would play the role of Mata Sita. Even some fans were demanding that she become Mata Sita. However, this was not possible. But now this wish of Alia's fans is going to be fulfilled. Yes, after Ranbir Kapoor, Alia Bhatt is also going to be seen in the Ramayana film. She is going to be seen in the role of Mata-Sita. Recently, Kannappa star Vishnu Manchu has revealed this. He has told who is playing the role of Lord Rama. This actor was going to play Lord Rama in Ramayana. If you are getting confused about which Ramayana we are talking about, then let us tell you that this is not Nitesh Tiwari's Ramayana but Mohan Babu's film based on Ramayana. Yes, in the year 2009, Mohan Babu was going to make a film based on Ramayana but due to some reason it was postponed. Now years later, his son and actor Vishnu Manchu has revealed that he is bringing a Ramayana film. Vishnu Manchu revealed the star cast Vishnu Manchu has given a big update about the Ramayana film in a conversation with Nayandeep Rakshit. He says that the story and dialogues of the film are ready. The actor said, "I approached Suriya to play the role of script and dialogues were ready, but the Hanuman, but Raghavendra sir wanted to Manchu was making with his father based it is not confirmed whether Vishnu Manchu if I will ever be able to make it or

Ram in 2009. My father was going to play the role of Raavan and Raghavendra Rao was going to direct. The budget could not be worked out. Suriya will still be my Ram and Alia Bhatt will be Sita. I wanted to play give me the role of Indrajit." When will you make a Ramayana based on Raavan? The film that Vishnu on the Ramayana was not based on Ram but on Raavan. He wanted to show about Raavan's life. At present, will make a film based on the Ramayana or not. He said, "I have the script and dialogues but I don't know not."

Who is Doctor Harminder Gill of Special Ops Season 2? You will be stunned to see her boldness in real life

Season 2 of Special Ops has been released on OTT in which Kamakshi Bhatt has played the character of Doctor Harminder Gill. performance is being highly appreciated. Kamakshi is an Indian actress and has worked in many projects before this. Her acting in Special Ops has made the audience crazy. Who is Harminder Gill of Special Ops Season 2? She looks very bold in real projects has she been seen before the series? The new series is most discussed among OTT lovers. Especially the new season of Recently, Season 2 of Special Ops has been released. The work of all the popular actors appearing in it is being appreciated. KK fulfilled the requirement of his character very well. People are also liking its story. Today we are talking about the actress who Doctor Harminder Gill. This actress has played the character of Harminder Gill Kamakshi Bhatt has played the character of Haminder Gill in Special Ops Season 2. Those who watched the series found her performance strong. People are also discussing social media. Let us know which series and projects she has been a part of before this. Kamakshi Bhatt is an Indian actress living lead actress, she worked in a short ad film for Tanishq. Not only this, she was also nominated for the Actress Award at the Korean Festival for her popular film 'XO'. She made everyone crazy with her strong acting in Special Ops Season 2. Kamakshi Bhatt is Actress Kamakshi Bhatt carries stylish outfits in real life. Her posts are well liked on social media. Young girls also take inspiration Be it Western or Indian, Kamakshi looks very beautiful in every kind of dress. She rules the hearts of people due to her fitness and of Special Ops 2? This web series highlights the advantages and disadvantages of artificial intelligence. The story written by writers Kingrani and Benazir Ali Fida points towards the danger that can cause a war between the two countries in the coming days. However, any solution. But it definitely warns about how dangerous cyber war can prove to be for the country.

H e r s t r o n g life. In which the hit series. Menon has plays the role of D o c t o r a lot about her on in Mumbai. As a International Film very bold in real life from the actress's look. acting. What is the story Neeraj Pandey, Deepak the story will not lead you to

Kiara Advani-Sidharth Malhotra gave a grand welcome to their daughter, first glimpse came out

Sidharth Malhotra Kiara Advani Baby Girl Bollywood couple Kiara Advani and Sidharth Malhotra have become parents of a daughter. The couple had announced after the birth of the baby girl that they would welcome welcome has come out. Kiara parents of a daughter. Both have keep their daughter away from birth, the couple has not shared a birth to a daughter on the night morning of July 16 that he and wanted to see the couple's clearly told that they would keep this, they refused to let the and Kiara's daughter Siddharth daughter's grand welcome with have a grand celebration, glimpses Some pictures are going viral on has welcomed their little angel pictures have been shared from the In these pictures, it can be seen that carousel and many adorable toys. sweet little princess. You have Siddharth and Kiara for this

her privately. Now the first glimpse of the baby girl's Advani and Sidharth Malhotra have recently become decided to follow the path of other celebrities and the limelight, that's why even after 6 days of the baby's glimpse of Ladli on social media. Kiara Advani gave of July 15. Sidharth Malhotra announced on the Kiara have become parents. With this news, their fans daughter, but before this could happen, Sid and Kiara their daughter away from the limelight. Because of paparazzi click photos. Grand welcome of Siddharth Malhotra had also said that he wants to celebrate his his family in a private way. Even though they did not of Sid-Kiara's baby welcome have definitely come out. social media, from which it is clear that the couple with great pomp. Unicorn themed party - Some fan page of Kiara Advani and Siddharth Malhotra. the house is decorated with a unicorn balloon, a pink One of the pictures read, "Welcome to this world our made us love life again. Thank you my dear priceless gift. Lots of love to you both." Another picture read, "There are some moments that give your life a completely different meaning. Happiness, joy, richness of your soul - that is bliss. Newborn niece, I am all set to see you for the first time. Currently, Siddharth Malhotra and Kiara Advani have neither shared the picture of their baby girl nor revealed her name.